RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381
डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय
12 वर्ष

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, सोमवार ● 21 अप्रैल , 2025 वर्षः-12 अंक-352 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

जम्मू-कश्मीर में बादल फटने से भीषण तबाही

रामबन में बाढ़ और भूस्खलन से 3 की मौत,100 लोगों का रेस्क्यू

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दिनों से बारिश हो रही है। रामबन जिले के सेरी बागना इलाके में रविवार सुबह बारिश के बाद बादल फटने से 3 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने करीब 100 लोगों को रेस्क्यू किया। सूत्रों ने बताया कि बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। पहाड़ का मलबा गांव की तरफ आ गया, जिसके चपेट में कई लोग और घर आ गए। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। उधर, रामबन जिले के बनिहाल इलाके में कई जगह लैंडस्लाइड घटनाएं हुई हैं। इसकी वजह से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया है। सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं।

किश्तवाड़-पद्दर मार्ग भी बंद है। यहां वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। अधिकारियों ने मौसम साफ होने के बाद ही हाईवे पर सफर करने की अपील की है। लैंडस्लाइड के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें पहाड़ से मलबा गिरते देखा जा सकता है। कुछ इलाकों में पहाड़ का मलबा सड़कों और रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। एक वीडियो में तीन-चार टैंकर और कुछ अन्य गाड़ियां मलबे में पूरी तरह दबी हुई दिख रही हैं। इसके अलावा होटल और घर भी मलबे से प्रभावित दिख रहे हैं। रामबन जिले में चेनाब नदी के पास धर्मकुंड गांव लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया है। 10 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, 25-30 घरों में भी नुकसान हुआ है। धर्मकुंड पुलिस ने करीब 90-100 लोगों को सुरक्षित बचाया।

आज से भारत के चार दिवसीय दौरे पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति

- दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर के दर्शन करेंगे,पीएम मोदी से मिलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस 21 अप्रैल को भारत के चार दिन के दौरे पर आ रहे हैं। उनके साथ उनकी पत्नी उषा वेंस और तीनों बच्चे भी इस ट्रिप पर आएंगे। वे इटली का दौरा कर भारत आ रहे हैं। सोमवार सुबह 10 बजे जेडी वेंस दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे। इसके बाद वे अक्षरधाम मंदिर जाएंगे और पारंपरिक

भारतीय हस्तशिल्प देखने किसी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स भी जाएंगे। इस दौरे पर जेडी वेंस पीएम मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, एनएसए अजित डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और अमेरिका में भारतीय दूत विनय मोहन क्वात्रा से मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी जेडी वेंस के लिए डिनर आयोजित करेंगे। इसके बाद वेंस सोमवार रात को ही जयपुर रवाना होंगे, जहां वे मंगलवार को रुकेंगे। बुधवार को वे आगरा घूमने जाएंगे। अमेरिका का उपराष्ट्रपति बनने के बाद ये जेडी वेंस का पहला आधिकारिक भारत दौरा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ उनकी पत्नी उषा,उनके तीन छोटे बच्चे इवान, विवेक, मीराबेल साथ रहेंगे।

गांधीसागर पहुंच गए चीता पावक और प्रभास

सीएम डॉ. मोहन यादव ने बाड़े में छोड़ा,कूनो से लाए गए हैं चीते

भोपाल। देश में पहली बार चीतों की शिफ्टिंग की गई है। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क से मंदसौर जिले के गांधी सागर अभयारण्य में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दो नर चीतों-पावक और प्रभास को छोड़ा। दोनों चीते गांधी सागर पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सबसे पहले नीमच जिले के रामपुरा पहुंचे। यहां उन्होंने करोड़ों रुपए के विकास योजनाओं का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। उसके बाद उन्होंने गांधीसागर अभयारण्य के गेट नंबर 4 से दोनों चीते को बाड़े में छोड़ा। कूनो नेशनल पार्क से सुबह 8 बजे गांधी सागर के लिए चीतों को लेकर टीम रवाना हुई थी, जो दोपहर करीब 4 बजे गांधी सागर पहुंच गए। दोनों को ट्रेंकुलाइजर कर पिंजरे में डाला गया। ये वही पिंजरे हैं, जिन्हें इन चीतों को दक्षिण अफ्रीका से लाने के लिए तैयार किया गया था। वातानुकूलित गाड़ी में दोनों को अलग-अलग पिंजरे में रखा गया था। ये चीते राजस्थान के कोटा, झालावाड़ होते हुए 8 घंटे में 360 किलोमीटर की दूरी बिना रुके तय कर

गांधी सागर पहुंचे। यहां इन्हें 6 वर्ग किमी के बाड़े में छोड़ा गया। नर चीते पावक और प्रभाष करीब 6-6 साल के हो चुके हैं। इन दोनों को दक्षिण अफ्रीका से 18 फरवरी 2023 को लाया गया था। दोनों ही सगे भाई है। गांधी सागर अभयारण्य में वन विभाग ने चीतों के लिए 8900 हेक्टेयर का विशेष क्षेत्र तैयार किया है। यहां 8 से 10 चीतों को बसाने की व्यवस्था की गई है। चीतों के भोजन के लिए अभयारण्य में 150 से अधिक चीतल, 80 से अधिक चिंकारा, 50 से अधिक व्हाइट बोर्ड और 50 से अधिक नीलगाय मौजूद हैं। इसके अलावा यहां पहले से ही हिरणों की अच्छी-खासी संख्या है। गांधी सागर अभयारण्य के रेंजर अंकित सोनी ने कहा- 90 प्रशिक्षित लोगों की टीम चीतों की देखरेख करेगी। इनकी ट्रेनिंग कूनो सैंक्चुरी में पूरी हो चुकी है। वन विभाग ने 16 किलोमीटर में एक परिक्षेत्र बनाया है, जिसमें चीतों को सुरक्षित रखा जाएगा। पानी की विशेष व्यवस्था के लिए सैंक्चुरी एरिया में तालाब बनाए गए हैं।

प्रदेश में जनकल्याण और सुशासन में दें योगदान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैदानी अधिकारियों को दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनकल्याण के लिए अधिकारी मैदान में उतरें। नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान कर, सुशासन की दिशा में अपना प्रभावी योगदान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शानिवार रात मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के कलेक्टर्स-कमिश्नर्स, एसपी, आईजी से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी जिलों में उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी

कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखें। पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद रहे। आमजन से अधिकारी-कर्मचारी का व्यवहार विनम्र और अच्छा हो। कार्यालयों में आने वाले नागरिक को समाधान प्राप्त हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खेतों में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए जागरुकता बढ़ाई जाए। किसानों को सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे उपकरण अधिक संख्या में उपलब्ध करवाए जाएं।

इतिहास को इतिहास रहने दें,हम वक्फ बिल के खिलाफ

- औरंगजेब विवाद, बीजेपी पर अखिलेश यादव का बड़ा हमला

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज पहुंचे समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि हम हमेशा

वक्फ बिल के खिलाफ रहे हैं। वहीं, औरंगजेब और राणा सांगा विवाद के गहराने को लेकर भी भाजपा को घेरा। उन्होंने इन मामलों को इतिहास में रहने देने की बात कही। भाजपा को भूमाफिया पार्टी बनने का दावा किया। वहीं, यूपी में दलित उत्पीड़न के बढ़ते मामलों को लेकर वे योगी सरकार को घेरते दिखे।

चीन में रोबोट्स ने 21 किमी तक इंसानों से लगाई रेस

- सबसे तेज दौड़ रहा रोबोट भी 1.30 घंटा इंसानों से पीछे रहा

बीजिंग (एजेंसी)। चीन की राजधानी बीजिंग में शनिवार को इंसानों और 21 रोबोट्स के बीच अनोखी हाफ मैराथन दौड़ हुई। यह पहली बार था जब मशीनों ने 21 किलोमीटर (13 मील) की दूरी तक इंसानों के साथ दौड़ लगाई। ये इवेंट बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में हुआ, जहां चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का

ऑफिस है। इसका मकसद रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन की तरक्की दिखाना था। चीन की ड्रॉयडअप और नोएटिक्स रोबोटिक्स जैसी कंपनियों के रोबोट्स ने भी इस रेस में हिस्सा लिया। रेस में शामिल कुछ रोबेट्स का साइज 120 सेमी (3.9 फीट) से कम था, जबकि कुछ 1.8 मीटर (5.9 फीट) तक ऊंचे थे।

मोदी-नीतिश की जोड़ी बिहार के विकास नहीं कुर्सी के लिए

बक्सर में खड़गे बोले-राहुल-प्रियंका गांधी को डराने की कोशिश हो रही, मोदी सरकार के 11 झूठ गिनाए

बक्सर (एजेंसी)। बक्सर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- मोदी-नीतिश की जोड़ी सिर्फ कुर्सी के लिए हैं। बिहार के विकास के लिए नहीं है। एक बार हमारी गोद में आते हैं, फिर लगा कि बीजेपी आनेवाली है तो नीतिश इधर से उधर चले जाते हैं। ये देश के लिए सही नहीं है। खड़गे आज यानी रविवार को एक दिन के दौरे पर बिहार के बक्सर पहुंचे थे। अपने 50 मिनट के भाषण में कांग्रेस अध्यक्ष ने नेशनल हेराल्ड केस, वक्फ कानून, मोदी सरकार के वादे और नीतिश कुमार के दल बदलने पर निशाना साधा। उन्होंने गांधी परिवार की कुर्बानी याद दिलाई, साथ ही केंद्र सरकार के 11 झूठ

भी गिनवाएं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी समझते हैं कि बिहार वालों को ज्ञान की कमी है। जबकि सारे ज्ञानी लोग बिहार की भूमि से आते हैं। वसूलों पर चलते हैं। खड़गे ने कहा- मोदी जी ने जबरन वक्फ कानून बनाया। जहां सालों से झगड़ा नहीं था, अब वहां झगड़ा करना चाहते हैं। आरएसएस-बीजेपी गरीबों, पिछड़ों, महिलाओं के दोस्त हो नहीं सकते। मनु स्मृति में लिखा है कि महिलाओं को शिक्षित नहीं करना चाहिए। पवित्र काम में शामिल नहीं करना चाहिए।

जबकि बाबा साहेब ने इन्हें सम्मान दिया। नेशनल हेराल्ड केस का जिक्र करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नेशनल हेराल्ड समेत 3 न्यूज पेपर पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भारतीयों की आवाज अंग्रेजों तक पहुंचाने के लिए निकाला। आज उसके चेयरमैन पर केस किया गया है।

मोदी जी हमें दुश्मन की तरह देखते हैं

खड़गे ने कहा कि मोदी जी हमें दुश्मन की तरह देखते हैं। इसलिए राहुल-सोनिया जी, वाड्रा पर केस किया। नेशनल हेराल्ड केस के जरिए कांग्रेस को खत्म करने की साजिश बीजेपी ने रची है। वो सोचते हैं नेशनल हेराल्ड केस में परेशान करेंगे तो वो चुप बैठेंगे और पार्टी का मनोबल टूटेगा। ये लोग ईडी, और दूसरी जांच एजेंसी का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कांग्रेस रुकने और झुकने वाली नहीं है। पीएम मोदी ने वादा किया था कि 2 करोड़ नौकरियां हर साल देंगे। 11 साल हो लेकिन 22 करोड़ नौकरियां कहां है। नीतिश कुमार से जनता को पूछना चाहिए कि आप और आपके दोस्त नौकरी देने वाले थे। वो नौकरी कहां है। बिहार के युवा नौकरी के लिए बाहर जाते हैं। खड़गे ने जनसभा में पीएम मोदी के पुराने भाषण को सुनाया। जिसमें वो सवा लाख करोड़ के विशेष पैकेज की घोषणा बिहार के लिए करना चाहता हूं। लेकिन क्या आपको एक लाख 25 हजार करोड़ का पैकेज मिला।

'दिल्ली को लंदन-पेरिस जैसी नहीं इंद्रप्रस्थ बनाएंगे

- रेखा के मंत्री प्रवेश वर्मा का बड़ा बयान, कहा-युधिष्ठिर की राजधानी बनाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग एवं जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि हम दिल्ली को लंदन पेरिस बनाने का दावा नहीं करते हैं। हम देश की राजधानी दिल्ली को युधिष्ठिर की राजधानी जैसी थी, वैसी बनाने का वादा करते हैं। दिल्ली सरकार द्वारा 1111 जीपीएस सिस्टम से लैस पानी के टैंकरों को

रविवार को बुराड़ी स्थित संत निरंकारी मैदान से रवाना करते हुए मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि आज जो आप देख रहे हैं, वह हमारी सरकार के सुशासन और पारदर्शिता मॉडल का परिणाम है। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि यह टैंकर पहले भी चलते थे लेकिन अब टैंकर को ट्रैक भी किया जा सकेगा। पहले टैंकर माफिया शब्द चलता था हमने इसको दिल्ली जल बोर्ड आईटी डैशबोर्ड से जोड़ दिया है। वर्मा ने कहा कि दिल्ली में गर्मी के मौसम में पानी की मांग काफी बढ़ जाती है। पिछले 10 साल की 'आपदा' की सरकार और 10 हफ्ते की रेखा सरकार आज दिखा रही है कि क्या हो सकता है।

मुर्शिदाबाद हिंसा

बाप-बेटे की हत्या मामले में अब चौथी गिरफ्तारी

आरोपी ने मृतक के घर की थी तोड़फोड़,भीड़ को उकसाया था

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद में हिंसक प्रदर्शन के दौरान एक बाप-बेटे की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह मामले में चौथी गिरफ्तारी हैं। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जाफराबाद के पड़ोसी गांव सुलिताला पुरबापारा निवासी जियाउल शेख के रूप में हुई है। आरोपी 12 अप्रैल से फरार था।

शेख को पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल और विशेष जांच दल ने शनिवार को उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, यह व्यक्ति मुख्य आरोपियों में से एक है, जिसने मृतक के घर तोड़फोड़ करने के लिए भीड़ को उकसाया था और 12 अप्रैल को हरगोबिंदो दास और उनके बेटे चंदन दास की हत्या कर दी।

राज्यपाल ने पीड़ितों को फोन नंबर उपलब्ध कराया

17 अप्रैल को कलकत्ता हाईकोर्ट ने हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती जारी रखने के आदेश सुरक्षित रख लिया। हाईकोर्ट ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल राज्य मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से एक-एक सदस्य वाला पैनल हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करे। जिसके बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने 19 अप्रैल को मुर्शिदाबाद का दौरा किया था। राज्यपाल हिंसा में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार से भी मिले।

ईसीआई का वोटर्स लिस्ट से डुप्लीकेसी हटाने के लिए अभियान

- शुरुआत बिहार चुनाव से होगी, 22 करोड़ वोटर्स आधार से लिंक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग वोटर्स लिस्ट को साफ सुथरा बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी कवायद करने जा रहा है। इसके लिए मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने पर सहमति बन चुकी है, लेकिन इसकी शर्त को पूरा करने के लिए उन वोटर्स से कारण

जानना जरूरी है, जिन्होंने अभी तक अपना आधार नंबर वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए नहीं दिया है। आयोग के पास अभी तक 66 करोड़ मतदाताओं के आधार एपिक नंबर (इलेक्टर्स फोटो आइडेंटिटी कार्ड नंबर) से लिंक्ड हुए हैं।

दिल्ली के ऑब्जर्वर करेंगे एमपी के कांग्रेस जिलाध्यक्षों का सिलेक्शन

- गुजरात ने बदले प्रदेश के समीकरण,पीसीसी चीफ ने बदलाव की तारीख दी थी 10 से 20 मई

भोपाल। लंबे समय से जिला अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की कवायद में लगे मप्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बीते 4 अप्रैल को इंदौर में मीडिया से कहा था-दिल्ली में सारे जिलाध्यक्षों की बैठक हुई। अभी मप्र में भी 10 से 20 मई के बीच ट्रेनिंग है। हमारा नया संगठन भी बन रहा है। ब्लॉक और जिला अध्यक्षों के जितने भी बदलाव होंगे वे इसी बीच में होंगे। पटवारी के इस बयान के बाद अहमदाबाद में कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में जिला अध्यक्षों के पावर बढ़ाने पर मुहर तो लगी, लेकिन इनके चयन को लेकर पार्टी आलाकमान ने नया क्राइटेरिया तय कर दिया। राहुल गांधी ने राष्ट्रीय अधिवेशन में इसकी घोषणा करते हुए पटवारी की 6 महीने से जारी फिल्डिंग पर पानी फेर दिया। राहुल की घोषणा के अनुसार अब मप्र में भी जिला अध्यक्षों का चयन गुजरात मॉडल के अधार पर होगा। चयन के लिए दिल्ली एआईसीसी से ऑब्जर्वर नियुक्त किया जाएगा। कांग्रेस

के सूत्र बताते हैं कि गुजरात में जिस तरह जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू हुई है, मप्र में भी उसी पैटर्न पर जिला अध्यक्षों के नाम खोजे जाएंगे। एमपी के सभी 55 जिलों में पार्टी की ओर से हर जिले के लिए एक ऑब्जर्वर नियुक्त किया जा सकता है।

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, सोमवार 21 अप्रैल, 2025

कृषि उपज मंडी तराना भ्रष्टाचार का अड्डा बनी, किसान सुविधाओं से वंचित, शिकायतों का अंबार

पूनम शर्मा

दैनिक सद्भावना पाती, उज्जैन/तराना। एक ओर सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के वादे कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश कर रही है। खरीफ सीजन के दौरान किसानों को मंडी में पारदर्शिता, मूलभूत सुविधाएं एवं बेहतर विपणन व्यवस्था मुहैया कराने के दावे प्रदेश के मंडी बोर्ड द्वारा किए जा रहे हैं, लेकिन तराना कृषि उपज मंडी में इन दावों की धज्जियां उड़ती नजर आ रही है। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो ने मंडी की पोल खोल दी, जिसमें एक किसान के साथ तोल में गड़बड़ी की गई। वीडियो के सामने आने पर मंडी समिति ने कागजी कार्रवाई कर मामले को रफा-दफा कर दिया। इससे पहले भी कई किसानों ने मंडी में हो रही अवैध वसूली, तोल में गड़बड़ी और सुविधा के अभाव को लेकर शिकायतें दर्ज कराई हैं।

ग्राम करंज के किसान सुभाष पाटीदार ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कर मंडी की वास्तविक स्थिति उजागर की। शिकायत में कहा गया है कि मंडी प्रांगण में न तो किसानों को 5 रुपये में थाली भोजन मिल रहा है, न ही सुलभ शौचालय और रात्रि विश्राम के लिए किसान भवन की सुविधा दी जा रही है। पीने के लिए स्वच्छ पानी तक उपलब्ध नहीं है और किसान गंदा पानी पीने को मजबूर हैं।

शिकायतों के केंद्र में मंडी सचिव मानसिंह यादव और प्रांगण प्रभारी दिलीप कड़ोदिया हैं, जिन पर भ्रष्टाचार को संरक्षण देने के गंभीर आरोप हैं। सूत्रों के अनुसार, मंडी में करोड़ों रुपये खर्च कर सुविधाएं विकसित की गई लेकिन वे सिर्फ कागजों में सजीव हैं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है मंडी प्रांगण प्रभारी की उनकी अवैध वसूली के डर से कई व्यापारियों द्वारा मुख्यालय में गुप्त शिकायत की गई जिस पर मुख्यालय द्वारा प्रांगण प्रभारी दिलीप कड़ोदिया को 30 जनवरी 2025 को मुख्यालय द्वारा खाचरोद मंडी स्थानांतरित कर भारमुक्त किया गया था, लेकिन वह आज भी तराना मंडी में अपने राजनीतिक रसूख के बल पर डटे हुए हैं। मुख्यालय के आदेश की खुलेआम अवहेलना मंडी सचिव की मिलीभगत का स्पष्ट संकेत है। सूत्रों का दावा है कि मंडी सचिव ने अपने पारिवारिक हितों के चलते नियमों को ताक पर रखकर अपने रिश्तेदारों की नियुक्तियां मंडी समिति में करवाई हैं। इस संबंध में पहले भी कई शिकायतें मंडी बोर्ड व आंचलिक कार्यालय तक पहुंच चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। किसानों की लगातार हो रही उपेक्षा और मंडी में व्याप्त अव्यवस्था यह सवाल खड़ा करती है कि क्या यह सब आंचलिक कार्यालय के उच्च अधिकारियों की मिलीभगत के बिना संभव है? तराना की स्थिति अकेली नहीं है। हाल ही में खाचरोद और देवास मंडियों से भी आय से अधिक व्यय, किसान भुगतान, तुलई में गड़बड़ी और अवैध वसूली के मामलों की खबरें सामने आई हैं।

जेल में कड़े पहरे में करोड़पति पूर्व कॉन्स्टेबल और साथी

आपस में नहीं कर सकते बात, कैदी रखते हैं नजर, हर 12 घंटे में जाती है रिपोर्ट

भोपाल (नप्र)। मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार आरटीओ के पूर्व करोड़पति कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा, उसके सहयोगी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल को भोपाल की सेंट्रल जेल में ढाई महीने बीत गए हैं। 4 फरवरी को तीनों को पहली बार जेल भेजा गया था। 11 फरवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सात दिन की रिमांड पर लिया और 17 फरवरी को वे दोबारा जेल पहुंचे। इस तरह तीनों ने ज्यूडिशियल कस्टडी में अब तक 75 दिन बिता लिए हैं। न उन्हें आपस में बातचीत करने की इजाजत है और न साथ रहने की। कुख्यात कैदियों की तरह तीनों की निगरानी को खोल दिया गया है। जेल की भाषा में निगरानी खोले जाने का मतलब राउंड अ क्लॉक नजर रखना होता है। तीनों के साथ दो-दो कैदी साय की तरह रहते हैं। यह कैदी जेल प्रशासन के विश्वसनीय हैं। यह कैदी हर 12 घंटे में अधिकारियों तक तीनों की हर गतिविधि की सटीक जानकारी पहुंचाते हैं। इसी के साथ प्रतिदिन होने वाली गणना में तीनों से चक्कर अधिकारी सीधी बातचीत करते हैं। इसमें तीनों जेल में बीत रहे हर लम्हे की जानकारी अधिकारियों को देते हैं। इसी के साथ अपने सेहत, अन्य कैदियों द्वारा किए जाने वाला व्यौहार की जानकारी भी उन्हें देते हैं। जेल में शरद को ब्लड प्रेशर और स्किन संबंधी बीमारियां लगातार बनी हुई हैं।

एक बार मिली आपस में बातचीत की इजाजत– सौरभ की ओर से लगातार उसके साथी शरद और चेतन से बातचीत करने की अनुमति मांगी जा रही है। 5 बार प्रयास के बाद जेल प्रशासन की ओर से उन्हें एक बार आपस में बातचीत करने की इजाजत दी गई। जेलर के कमरे में तीनों को साथ बैठाया गया। यहां करीब एक घंटे तक तीनों ने आपस में बातचीत की।

बिल्डिंग सेंटर में अलग-अलग बंद हैं– तीनों आरोपियों को ब खंड के करीब बिल्डिंग सेंटर नाम की जगह पर रखा गया है। यहां तीनों अलग-अलग बैरक में और कैदियों सहित जेल स्टॉफ की निगरानी में रहते हैं। जेल जाने के बाद से ही तीनों अन्य कैदियों से कम बातचीत करते हैं। सुबह समय पर नाश्ता लेते हैं। दोपहर का खाना भी पूरा खाते हैं। लेकिन रात के खाने को सौरभ और शरद न के बराबर ही खाते हैं। हालांकि चेतन तीनों समय जेल से मिले खाने को अच्छे से ही खाता है। हालांकि जेल की गर्मी ने तीनों को बेहाल कर रखा है।

नहीं दी गई लाइब्रेरी जाने की सुविधा– जेल में सौरभ, शरद और चेतन को ब खंड के पास बनी चार विशेष बैरक में से तीन में रखा गया है। इन बैरक में तीनों के अलावा 29-29 अन्य कैदी रह रहे हैं। इन कैदियों के बीच जेल प्रशासन के लिए अंदरखाने की खबरें जुटाने का काम करने वाले कैदी भी मौजूद हैं। जो पल-पल की अपडेट प्रहरियों के माध्यम से जेल प्रशासन तक पहुंचाने का काम करते हैं। तीनों की सुरक्षा को देखते हुए बैरक में आक्रामक कैदियों के साथ नहीं रखा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु अर्जन देव के प्रकाश पर्व पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिख धर्म के पांचवें गुरु, संत शिरोमणि गुरु अर्जन देव जी के प्रकाश पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु अर्जन देव जी का संपूर्ण जीवन सेवा, त्याग और मानव कल्याण का प्रतीक है। उनके विचार सर्वदा हम सभी को सत्य, सहिष्णुता और धर्मनिष्ठा के मार्ग पर दृढ़तापूर्वक अग्रसर होने की प्रेरणा देते रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खिलचीपुर के विधायक श्री हजारी लाल दांगी के पोते श्री अजय दांगी के विवाह समारोह में शामिल होकर आशीर्वाद दिया।

रतलाम समेत प्रदेश के 5 जिलों में चलेगी लू

ग्वालियर-शिवपुरी में रातें भी गर्म रहेंगी, भोपाल, इंदौर-उज्जैन में भी तेज गर्मी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के 5 जिले रविवार को हीट वेव यानी, लू की चपेट में थे। मौसम विभाग ने रतलाम, गुना, सागर, दमोह और सीधी में लू का अलर्ट जारी किया है। वहीं, ग्वालियर, शिवपुरी और मंडला की रात गर्म रह सकती है। इससे पहले शनिवार को भी कई जिलों में लू चली थी। इधर, दिन का पारा 44 डिग्री तक पहुंच गया। शिवपुरी सबसे गर्म रहा। यहां टेम्परेचर 44 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, कुल 26 शहरों में तापमान 40 डिग्री से अधिक रहा।

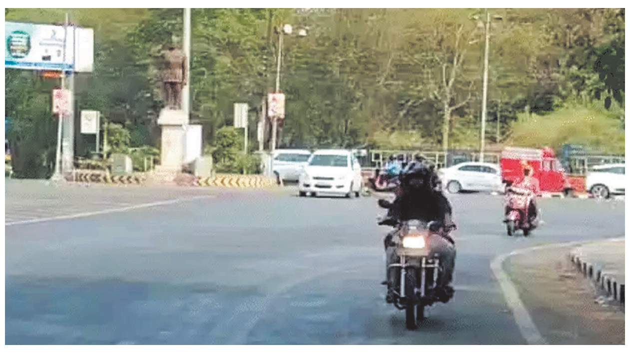

इन शहरों में पारा 40 डिग्री के पार– मौसम विभाग के अनुसार, सागर-नर्मदापुरम में 42.8 डिग्री, मंडला-खजुराहो में 42.6 डिग्री, नौगांव में 42.5 डिग्री, दमोह में 42.4 डिग्री, उमरिया में 42.3 डिग्री, टीकमगढ़ में 42 डिग्री, रायसेन में 41.8 डिग्री, खरगोन में 41.6 डिग्री, खंडवा में 41.5 डिग्री, रतलाम में 41.4 डिग्री, शाजापुर में 41.3 डिग्री, धार, मलाजखंड में 41.1 डिग्री, सिवनी में 40.6 डिग्री, बैतूल में 40.5 डिग्री, सतना में 40.3 डिग्री, छिंदवाड़ा में 40.2 डिग्री और नरसिंहपुर में पारा 40 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 41.4 डिग्री, इंदौर में 40.2 डिग्री, ग्वालियर में 40.4 डिग्री, उज्जैन में 40.5 डिग्री और जबलपुर में तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

फिलहाल पारे में बढ़ोतरी का दौर– मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि अगले कुछ दिन तक पारे में बढ़ोतरी का दौर रहेगा। इस दौरान लू का अलर्ट भी जारी किया गया है।

ऐसा रहेगा अप्रैल का दूसरा पखवाड़ा– तीसरा सप्ताह- उत्तर-पश्चिमी हवाओं के जोर पकड़ने के साथ इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, नर्मदापुरम संभागों में न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। पूरे प्रदेश में दिन में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। 2 से 3 दिन लू चल सकती है। हल्की बारिश होने की संभावना है।

चौथा सप्ताह – उत्तर-पश्चिमी हवाओं के लगातार जोर पकड़ने के साथ न्यूनतम तापमान पूरे प्रदेश में सामान्य से 3-4 डिग्री अधिक यानि 27 से 30 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। दिन के साथ रातें भी गर्म हो जाएंगी। ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग में पारा 43-45 डिग्री जबकि इंदौर, उज्जैन-भोपाल सहित बाकी प्रदेश में 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तापमान रह सकता है। बंगाल क्षेत्र में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से अप्रैल के आखिरी में 3 से 4 दिन तक लू का असर रह सकता है।

तालाब में डूबने से युवक और किशोर की मौत

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी के चमरऊआ गांव में रविवार दोपहर तालाब में नहाने गए एक युवक और एक किशोर की डूबने से मौत हो गई। ये हादसा दोपहर करीब ढाई बजे के आसपास खनियाधाना थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के अनुसार, चमरऊआ गांव निवासी करण केवट(18) पिता रघुवर केवट और अभिषेक केवट(13) पिता विक्रम केवट गांव के कुछ अन्य युवकों के साथ नहाने के लिए तालाब गए थे। नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए, जिससे वे डूबने लगे। मौके पर मौजूद अन्य ग्रामीणों ने उन्हें तालाब से बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

दोनों को तैरना नहीं आता था– दोनों को तत्काल खनियाधाना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि दोनों को तैरना नहीं आता था। पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव– घटना की सूचना मिलते ही खनियाधाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मध्य प्रदेश में मई से हो सकते हैं सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रमोशन

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में नौ वर्ष से बंद पदोन्नतियों का सिलसिला शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के बाद सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने विधि एवं विधायी विभाग के अधिकारियों से परामर्श के बाद पदोन्नति नीति का प्रारूप तैयार किया है। इसे कैबिनेट में अंतिम रूप दिया जाएगा। मई में यह नीति कैबिनेट में प्रस्तुत करने की तैयारी है। इसके बाद पदोन्नति की प्रक्रिया विभागों में प्रारंभ हो जाएगी। जिन विभागों में अधिकारियों-कर्मचारियों की संख्या कम है, वहां पदोन्नति पहले हो सकती है। मंत्रालयीन कर्मचारियों को भी पहले झटके में ही पदोन्नति मिल सकती है। इसे लेकर सामान्य प्रशासन विभाग की तैयारी भी है।

मेरिट और वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति– सूत्रों के अनुसार मेरिट और वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति देने की तैयारी है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अप्रैल 2016 से पदोन्नति पर सुप्रीम कोर्ट से रोक है। इन नौ वर्षों में लगभग डेढ़ लाख कर्मचारी-अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

विभागीय भर्ती नियमों में बदलाव नहीं– फरवरी 2025 में विधि विभाग ने अपने यहां के लगभग डेढ़ सौ कर्मचारियों को पदोन्नत कर दिया। इसका आधार यह था कि आरक्षण नियम रद होने के बाद भी विभागीय भर्ती नियमों में बदलाव नहीं हुआ है। ऐसे में इन नियमों के आधार पर एक निश्चित अवधि के बाद वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति दी जा सकती है।

पदोन्नति का रास्ता निकालने के लिए कहा था

विधि विभाग में पदोन्नति को आधार बनाकर कर्मचारी संगठनों ने शासन से सभी कर्मचारियों-अधिकारियों की पदोन्नति की मांग की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) और विधि विभाग के अधिकारियों को पदोन्नति का रास्ता निकालने के लिए कहा था। सूत्रों के अनुसार जीएडी ने इसकी तैयारी कर ली है।

आर्थिक लाभ नहीं मिल रहा

कुछ विभागों नें कोर्ट के निर्णय के अधीन रखते हुए कर्मचारियों-अधिकारियों को पदोन्नत कर कार्यवाहक पद तो दे दिया है, पर उन्हें आर्थिक लाभ नहीं मिल रहा है। इस कारण डीपीसी कर उन्हें भी स्थायी तौर पर पदोन्नत किया जाएगा ताकि उस पद के अनुरूप लाभ मिले।

सागर से हिंदू युवती को भगाकर ले जाने वाला युवक गिरफ्तार

मुस्लिम युवक ग्वालियर स्टेशन पर पकड़ा गया, लड़की भी साथ मिली

- युवती की बारात से एक दिन पहले ही उसे भाग ले गया था युवक
- सनौधा गांव में फैल गया था तनाव, आरोपी की दुकान भी जलाई

सागर (नप्र)। सानौधा से भागे युवक- युवती को ग्वालियर पुलिस ने ग्वालियर रेलवे स्टेशन से पकड़ लिया है। बीते रोज हिंदू लड़की और मुस्लिम समाज का लड़का भागा था। लड़की की एक दिन बाद बारात आने वाली थी, इसी बीच मुस्लिम समाज के लड़के के साथ भागने से गांव में तनाव का माहौल था। इसको लेकर तोड़फोड़ व आगजनी की घटनाएं भी हुई। इसके बाद यहां पुलिस बल तैनात है। जानकारी के मुताबिक सागर एसपी विकास शाहवाल को लड़का-लड़की के ग्वालियर भागने की सूचना मिली थी। इसके बाद उन्होंने ग्वालियर एसएसपी से मदद मांगी थी, जिसके बाद पुलिस अलर्ट थी।

जैसे ही ट्रेन से उतरे, पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया– दोनों शनिवार रात जैसे ही ट्रेन से उतरे पड़ाव थाना पुलिस ने उनको पकड़ लिया है। प्रेमी जोड़ा पकड़े जाने की सूचना सागर पुलिस को दे दी है। पड़ाव थाना प्रभारी आलोम परिहार ने बताया कि पुलिस कप्तान को सूचना मिली थी कि सागर से भागे युवक-युवती भोपाल के रास्ते ट्रेन से ग्वालियर आने वाले हैं। इसका पता चलते ही पुलिस की एक टीम स्टेशन पर तैनात कर दी गई। जैसे ही युवक-युवती यहां पहुंचे, पुलिस ने उन्हें निगरानी में ले लिया। पुलिस ने दोनों की जानकारी सागर पुलिस को दी है। सागर पुलिस ग्वालियर के लिए रवाना हो गई है।

सानौधा में अब शांति का माहौल, आरोपित पर कार्रवाई की मांग– वहीं सानौधा गांव में अब शांति का माहौल है, लेकिन लोग लड़की को भगाने वाले आरोपित अनश पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि लड़की की एक दिन बाद बारात आना था। आरोपित ने लव जिहाद के तहत लड़की को फंसाया। गांववालों के मुताबिक इस तरह की उनके गांव में यह पांचवीं घटना है। आरोपित प्राचीन किले की जमीन पर अतिक्रमण किए हैं। परिवार के लोग अपराधिक गतिविधियों में लिप्त हैं। उन पर कार्रवाई होना चाहिए।

जनकल्याण और सुशासन में दें योगदान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मैदानी अधिकारियों को दिए निर्देश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनकल्याण के लिए अधिकारी मैदान में उतरें। नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान कर, सुशासन की दिशा में अपना प्रभावी योगदान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के कलेक्टर्स-कमिश्नर्स, एसपी, आईजी से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी जिलों में उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखें। पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद रहे। आमजन से अधिकारी-कर्मचारी का व्यवहार विनम्र और अच्छा हो। कार्यालयों में आने वाले नागरिक को समाधान प्राप्त हो। पराली नियंत्रण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खेतों में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाई जाए। किसानों को सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे उपकरण अधिक संख्या में उपलब्ध करवाए जाएं। इससे किसानों को पराली जलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और उनका समय भी बचेगा। ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य का ध्यान रखें नागरिक- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों को ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए आवश्यक प्रचार-प्रसार किया जाए।

संजय मेहता की नाट्य कृति 'संत तुकाराम' का लोकार्पण 23 को

भोपाल। वरिष्ठ रंग निर्देशक संजय मेहता की नवीन नाट्य कृति 'संत तुकाराम' का लोकार्पण 23 अप्रैल को गांधी भवन के मोहनिया सभागृह में होगा। लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. विकास दवे होंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि वरिष्ठ पत्रकार गिरिजा शंकर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वदेश ज्योति के संपादक राजेंद्र शर्मा करेंगे। लोकार्पण समारोह में शिखर सम्मान से सम्मानित रंगकर्मी सतीश दवे एवं रंगकर्मी विवेक सांवरिकर का विशेष वक्तव्य होगा। उल्लेखनीय है कि मेहता की यह चौथी कृति है। नाट्य कृति 'मरघटा खुला है' को मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी की ओर से हरिकृष्ण प्रेमी राज्य स्तरीय सम्मान के लिए चयन किया गया है।

बीना में सांसद प्रतिनिधि ने नाबालिग भाई-बहन को पीटा

बीना (नप्र)। बीना में सागर की बीजेपी सांसद लता वानखेड़े के प्रतिनिधि और पूर्व सरपंच संतोष ठाकुर और उसके समर्थकों ने दो नाबालिग भाई-बहन से जमकर मारपीट की। पीड़ित भाई-बहन को गंभीर हालत में सागर रेफर किया गया है। बच्ची के चाचा का कहना है कि आरोपियों ने भतीजी के पेट और प्राइवेट पार्ट में भी चोट पहुंचाई है। नाक से खून निकल रहा है। डॉक्टर ने सोनोग्राफी के लिए कहा है। वहीं उसके चचेरे भाई के सिर में पांच टांके आए हैं। घटना नौगांव की है। 17 वर्षीय पीड़ित किशोर शनिवार रात 9 बजे किसी काम से दुकान जा रहा था। रास्ते में गोलू ठाकुर, हरि सिंह ठाकुर और संतोष ठाकुर ने डंडे और रॉड से उस पर हमला कर दिया। 16 वर्षीय बहन अपने भाई को बचाने पहुंची, तो सांसद प्रतिनिधि संतोष ठाकुर ने उस पर भी हमला किया। संतोष के भतीजे किट्टू ठाकुर और भोला ठाकुर भी वहां आ गए। सभी ने मिलकर दोनों नाबालिगों को बेहोश होने तक पीटा।

12 से ज्यादा लोगों ने हमला किया– परिजन ने घायल बच्चों को पहले स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। वहां से दोनों को सागर रेफर कर दिया गया। पीड़ित परिवार का कहना है कि हमलावर 12 से ज्यादा थे। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर सांसद प्रतिनिधि संतोष ठाकुर, गोलू ठाकुर, हरि सिंह ठाकुर, किट्टू ठाकुर और भोला ठाकुर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

नाबालिग बोला– गाली देने से मना किया तो रॉड मारी– पीड़ित किशोर ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है- मैं शनिवार रात दुकान सामान लेने जा रहा था। तभी घर के सामने रोड पर गांव के गोलू ठाकुर, हरि सिंह ठाकुर, संतोष ठाकुर हाथ मे डंडा और रॉड लिए मिले। किसी पुरानी बात पर मुझे गंदी-गंदी गालियां देने लगे। पीड़ित के मुताबिक- मैंने गालियां देने से मना किया तो गोलू ठाकुर ने रॉड मारी। रॉड मेरे सिर में लगी और खून निकलने लगा। हरि सिंह और संतोष ठाकुर डंडे से पीटने लगे। मेरे दाहिने हाथ के पंजे, गर्दन, बाएं हाथ की पिंडली पर चोट आई।

लाठी-रॉड से हमला, लड़की को गंभीर चोट, भाई के सिर में 5 टांके

बीच-बचाव करने आई बहन को भी लात-घूंसों से पीटा– शोर सुनकर पीड़ित के ताऊ की नाबालिग बेटी बीच-बचाव करने लगी। इस पर संतोष के भतीजे किट्टू ठाकुर, भोला ठाकुर आ गए और दोनों बहन को लात-घूंसों से और संतोष डंडे से मारपीट करने लगा। जिससे उसे सिर दाहिने हाथ की उंगली, नाक में चोट आई। ये देखकर नाबालिग लड़के ने शोर मचाया, जिसे सुनकर माता-पिता भी वहां पहुंच गए। इनसे भी आरोपियों ने मारपीट की। परिवार के बाकी लोगों को भी मारपीट कर भगा दिया। वे जाते-जाते कह रहे थे कि आज तो बच गए दोबारा दिखे तो जान से खत्म कर देंगे।

पीड़ित परिवार ने सांसद को रोका– बीना से कुरवाई जा रही सांसद लता वानखेड़े को पीड़ित परिवार ने अपने गांव नौगांव के पास रोक लिया। पीड़ित परिवार ने उनके प्रतिनिधि द्वारा नाबालिग बच्चों के पिटाई के बारे में बताया। इसी बीच आरोपी संतोष भी बेधड़क सांसद के पास पहुंच गया और पीड़ित परिवार को देख लेने की बात कही। पीड़ित पक्ष ने आरोपी की बात का विरोध किया। उन्होंने कहा कि पूरे परिवार ने मिलकर मारपीट की है। मामले में सांसद लता वानखेड़े ने जांच कराने कहा है।

पांच महीने पहले शुरू हुआ विवाद– दोनों परिवारों में विवाद लगभग पांच माह पहले शुरू हुआ था। दरअसल, कुशवाहा परिवार के तीन एकड़ खेत में पानी की मोटर के लिए केबल डली थी। वह केबल अज्ञात लोगों ने काट दी। अशोक कुशवाहा ने बताया कि वह केबल संतोष के इशारे पर ही काटी गई थी। तभी से विवाद चल रहा है।

ब्राह्मण समाज ने उठाई महामना के नाम की मांग

सर्व समाज का आग्रह, रेती मंडी चौराहे पर बन रहे ओवरब्रिज का नाम पं. मदनमोहन मालवीय रखें

इंदौर (एजेंसी)। श्री श्रीगौड ब्राह्मण समाज ने रेती मंडी चौराहा पर बन रहे ओवरब्रिज का नाम हिंदू, हिंदी और हिन्दुस्तान को पहचान देने वाले भारत रत्न महामना पं. मदनमोहन मालवीय के नाम से करने की मांग की है। इस मुद्दे को लेकर श्री श्रीगौड ब्राह्मण समाज के साथ सर्व ब्राह्मण समाज और सर्व समाज की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन और सरकार से अपील करते हुए ओवरब्रिज का नाम पं. मदनमोहन मालवीय के नाम से करने की मांग की है। महामना पं.मदनमोहन मालवीय ओवरब्रिज संघर्ष समिति के पं. आदित्य उपाध्याय और पं. मयंक व्यास ने बताया कि पूर्व में भी श्रीगौड ब्राह्मण समाज मुख्यमंत्री, महापौर, विधायक, पार्षद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन भी दे चुका है। समाजजन रोटरी और ओवरब्रिज को लेकर जनप्रतिनिधियों से भी मिल चुके हैं। सर्वसमाज ने मांग की है कि पंडित महामना मालवीय चौराहा भी इसी स्थान पर है, तो ब्रिज का नाम भी महामना के नाम से ही किया जाना चाहिए।

9वीं-12वीं के स्टूडेंट स्मार्टफोन से सीखेंगे सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट

इंदौर के छात्र फ्री में सीखेंगे कोडिंग, वेबसाइट डिजाइनिंग, मोबाइल ऐप डेवलपमेंट

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर जिले के सरकारी स्कूलों में स्मार्टफोन के माध्यम से सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट सिखाएंगे। कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को फ्री में टेक्नोलॉजी की शिक्षा दी जाएगी। जिससे वे भविष्य के करियर के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें। यह पहल आईआईटी -दिल्ली के पूर्व छात्रों द्वारा स्थापित कोड-योगी फाउंडेशन के सहयोग से शुरू की गई है।इस प्रोग्राम में वेबसाइट डिजाइनिंग, मोबाइल ऐप डेवलपमेंट व कई टेक्निकल विषय पढ़ाए जाएंगे। इंदौर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (ष्ट्श्वह्र) सिद्धार्थ जैन ने बताया छात्र सिर्फ स्मार्टफोन का उपयोग करके घर बैठे हिंदी में कोडिंग सीख सकेंगे। पाठ्यक्रम पूरी तरह से निशुल्क होगा और स्व-गति आधारित रहेगा। कोर्स में वेबसाइट डिजाइनिंग, मोबाइल ऐप डेवलपमेंट सहित कई प्रमुख तकनीकी क्षेत्रों को शामिल किया गया है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रमाणपत्र और करियर गाइडेंस भी दिया जाएगा। जैन ने बताया इस कार्यक्रम से जिले के लगभग 1600 सरकारी स्कूलों के लाखों छात्रों को फायदा मिलेगा। सभी स्कूल प्राचार्यों को इसे सक्रिय रूप से लागू करने और अधिकतम छात्रों को जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। इस पहल से इंदौर जिले के छात्रों को डिजिटल इंडिया के सपने से जोड़ते हुए एक उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर करने की उम्मीद जताई जा रही है।

थाने में युवक ने हाथ से कांच फोड़ा

खून बहने पर पुलिस ने अस्पताल में भर्ती किया, वाहन चैकिंग में रोका था

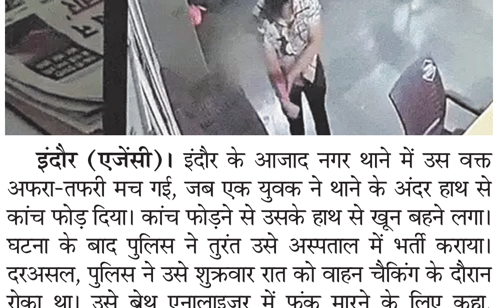

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के आजाद नगर थाने में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक ने थाने के अंदर हाथ से कांच फोड़ दिया। कांच फोड़ने से उसके हाथ से खून बहने लगा। घटना के बाद पुलिस ने तुरंत उसे अस्पताल में भर्ती कराया। दरअसल, पुलिस ने उसे शुक्रवार रात को वाहन चैकिंग के दौरान रोका था। उसे ब्रेथ एनालाइजर में फूंक मारने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं मान रहा था। इस दौरान उसने पुलिस से हुज्जत भी की। इसके बाद जवान उसे मेडिकल कराने के लिए पहले थाने लेकर पहुंचे। यहां उससे नाम-पता पूछा जा रहा था। इस दौरान वह अचानक आवेश में आ गया और थाने में ही कांच को अपने हाथ से फोड़ दिया। इससे उसके हाथ से काफी खून निकलने लगा। इस पर पुलिस उसे लेकर अस्पताल पहुंची। बताया जा रहा है कि घटना के बाद युवक के परिजन भी थाने पहुंच गए और पुलिस पर ही मारपीट का आरोप लगा दिया था। पुलिस ने थाने में लगे सीसीटीवी फुटेज उन्हें दिखाए तब जाकर मामला शांत हो सका। आजाद नगर थाना प्रभारी तिलक करोले ने बताया कि युवक का नाम सागर बजाज है और वह चोइथराम मंडी में व्यापारी है। रात को चैकिंग के दौरान उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं रुक रहा था। स्टापर लगाकर उसे रोका गया। ब्रेथ एनालाइजर में फूंक मारने को कहा तो वह आनाकानी करने लगा। काफी मशक्कत के बाद उसे थाने लाया गया। यहां उससे पूछताछ की जा रही थी। वह मेडिकल कराने के लिए भी तैयार नहीं हो रहा था। उसे समझाइश दी जा रही थी, मगर वह आवेश में आ गया और थाने के कांच पर हाथ मार दिया, जिससे उसके हाथ में चोट लग गई और वह घायल हो गया। उसे तुरंत जूपिटर हॉस्पिटल भेजा गया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

इंदौर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे गिरफ्तार, जेल भेजा

बीजेपी कार्यकर्ता पर जानलेवा हमले का आरोप; थाने के बाहर कांग्रेस का हंगामा-नारेबाजी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस उन्हें घर से हीरा नगर थाने लाई, जहां प्राथमिक कार्रवाई के बाद एमवाय अस्पताल में मेडिकल चेकअप कराया। वहां से कोर्ट में पेश कर उन्हें जेल भेजा गया। बताया जा रहा है कि उनके वार्ड में शनिवार रात को पानी के टैंकर को लेकर बच्चों में विवाद हो गया था। इसमें बड़े शामिल हो गए। जिसके बाद बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई थी। चौकसे को इसी मामले में गिरफ्तार किया गया है। बीजेपी कार्यकर्ता कपिल पाठक ने चौकसे समेत 9 आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। गिरफ्तारी की जानकारी लगते ही कांग्रेस कार्यकर्ता थाने के बाहर जमा हो गए। सरकार और बीजेपी के खिलाफ नारेबाजी की। पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा मामले में कमिश्नर संतोष सिंह से बात करने उनके दफ्तर पहुंचे। उनके साथ कांग्रेस शहर अध्यक्ष सुरजीत चड्ढा, जिला अध्यक्ष सदाशिव यादव, पूर्व विधायक अश्विन जोशी और शोभा ओझा भी थे।

चौकसे बोले- अंधेर नगरी, चौपट राजा- एमवाय अस्पताल में मेडिकल चेकअप के दौरान चिंटू चौकसे ने कहा- यह अंधेर नगरी चौपट राजा है। मैं उस जगह मौजूद ही नहीं था। जो घटना मामूली थी, उसे आईपीसी की धारा 307 (हत्या की कोशिश) में बदल दिया गया है। यह जंगलराज नहीं तो और क्या है? यह भाजपा की सरकार है।

फावड़े और लोहे की रॉड से हमला करने का आरोप- अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रामस्नेही मिश्रा ने बताया- शनिवार रात कपिल पाठक और चिंटू चौकसे के बच्चों के बीच विवाद हुआ। ये थोड़ी ही देर में दोनों पक्षों के बीच झगड़े में बदल गया। इसी मामले में देर रात कपिल पाठक की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई। उन्होंने चौकसे द्वारा खुद पर फावड़े और लोहे की रॉड से प्राणघातक हमले करने का आरोप लगाया। कपिल के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। मेडिकल रिपोर्ट से भी इसकी पुष्टि हुई है। दूसरे पक्ष के लोग भी घायल हुए हैं, लेकिन उन्होंने अब तक केस नहीं कराया है।मामले में चिंटू चौकसे और सुभाष यादव को गिरफ्तार कर लिया है। रोहन चौकसे, ईशान चौकसे, राधेश्याम चौकसे, गौरव चौधरी, सुमित ठाकुर, रवि प्रजापति और एक अन्य अज्ञात आरोपी फरार हैं। हमारी टीम लगातार प्रयास कर रही है, जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एफआईआर में चिंटू चौकसे का भी नाम

रमेश कुमार पाठक ने कहा कि हम अपना काम करा रहे थे। हमारा ट्रैक्टर खड़ा था, हमसे कहा कि ट्रैक्टर हटवा लो। हम ने हटा लिया। फिर गाड़ी लेकर 7-8 लोग आए और हमला कर दिया। बेटे को भी चोट आई है। एफआईआर में सभी के नाम लिखवाए हैं। चिंटू का नाम भी है। पिछली बार हमारी गाड़ी जला दी थी। कपिल पाठक विधायक प्रतिनिधि हैं। कार भी फूटी है। पत्नी को भी चोट लगी है। घर में घुसकर ही हमें बाहर निकाला था। पुलिस आ नहीं पाई थी, हम ही पहुंच गए थे।

नेहा रुहेला की ऐतिहासिक जीतः इंदौर अभिभाषक संघ चुनाव में नया कीर्तिमान

● 126 वर्षों का रिकॉर्ड टूटा, महिला नेतृत्व को नई पहचान

दैनिक सद्भावना पाती, इंदौर। इंदौर अभिभाषक संघ के हाल ही में संपन्न चुनाव में एक ऐतिहासिक परिणाम सामने आया। कार्यकारिणी सदस्य पद पर नेहा रुहेला ने 1492 मत प्राप्त कर न सिर्फ जीत दर्ज की, बल्कि पिछले 126 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह जीत इंदौर की विधिक बिरादरी के लिए एक प्रेरणादायी मोड़ है, खासकर महिला अधिवक्ताओं के लिए।

जीत के बाद नेहा रुहेला की प्रतिक्रिया

यह केवल मेरी नहीं, हम सभी अधिवक्ताओं और सहयोगियों की सामूहिक जीत है। यह हमारी एकजुटता और मेहनत का फल है।

उनकी इस ऐतिहासिक जीत ने न सिर्फ महिला नेतृत्व को एक नई ऊंचाई दी है, बल्कि आने वाले समय में अधिक महिलाओं को इस क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया है।

नव-निर्वाचित कार्यकारिणी-
अध्यक्षः लखन लाल यादव
उपाध्यक्षः जितेंद्र नीम
सचिवः कपिल बिरथरे
सहसचिवः विजय व्यास
कोषाध्यक्षः पुरुषोत्तम सोमानी

नेहा रुहेला की यह सफलता महिला अधिवक्ताओं के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर उभरी है।

इंदौर को मिलेगा एक और कन्वेंशन सेंटर

300 करोड़ की लागत से स्कीम 172 में बनेगा, 10 हजार लोग बैठ सकेंगे, होटल-मॉल भी होंगे यहां

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में एक और कन्वेंशन सेंटर बनने का रास्ता साफ हो गया है। इसे उच्च स्तरीय कमेटी ने मंजूरी दे दी है। यह कन्वेंशन सेंटर स्कीम नंबर 172 में 300 करोड़ की लागत से बनेगा। यह प्रदेश का सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर माना जा रहा है। इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने सीएम के सामने इसकी मांग की थी। इस जमीन पर वन विभाग ने दावा जताया था। इस वजह से प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलने में देरी हुई। तकरीबन डेढ़ साल पहले जनप्रतिनिधियों ने देपालपुर जंक्शन की जगह तय कर दी थी, लेकिन उसका लैंडयूज समस्या बन गया था। उस जमीन पर राजस्व और वन विभाग ने भी अपना-अपना दावा जताया था। अपर मुख्य सचिव ने जमीन का विवाद खत्म कर दिया था, लेकिन लैंडयूज कन्वेंशन सेंटर, होटल के लिए नहीं था। इस पर प्राधिकरण ने लैंडयूज बदलने का प्रस्ताव बनाकर नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग को भेजा था। मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि कन्वेंशन सेंटर, होटल व अन्य उपयोग के लिए लैंडयूज बदल दिया गया है। सांसद शंकर लालवानी ने शनिवार को बताया कि इस संबंध में सरकार की ओर से सूचना मिल गई है। इस कन्वेंशन सेंटर के निर्माण से इंदौर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कॉन्फ्रेंस, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और व्यवसायिक आयोजनों के लिए एक प्रमुख मंच मिलेगा। इससे न केवल शहर की प्रतिष्ठा बढ़ेगी, बल्कि होटल, ट्रैवल और लोकल बिजनेस सेक्टर को भी प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

आईडीए बनाएगा यह कन्वेंशन सेंटर- यह कन्वेंशन सेंटर इंदौर विकास प्राधिकरण बनाएगा। सुपर कॉरिडोर पर स्कीम 172 में 10 हेक्टेयर जमीन पर कन्वेंशन सेंटर बनेगा। भविष्य के लिए 7 हेक्टेयर जगह और आरक्षित की जाएगी। कुल 17 हेक्टेयर जमीन को रिजर्व रखा जाएगा। स्कीम 155 में सालों से खाली पड़े फ्लैट फ्री होल्ड नीति पर बेचे जाएंगे। यानी खरीदने के साथ ही व्यक्ति को मालिकाना हक मिल जाएगा। लीज नवीनीकरण के झंझट से मुक्ति मिलेगी।ॉ दरअसल इंदौर में हुए प्रवासी सम्मेलन में जगह का मुद्दा आया था। कई लोगों को प्रवेश नहीं मिल पाया था। इस पर तय किया गया था कि 10 हजार से अधिक की क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर इंदौर में बनाया जाएगा। इसमें मॉल, बजट होटल और फाइव स्टार होटल भी बनाई जाएगी। 3000 से अधिक पार्किंग की व्यवस्था भी रहेगी। सांसद, महापौर ने अफसरों के साथ मौके पर जाकर 6 फरवरी 2023 को जमीन फाइनल की थी। दरअसल इंदौर में हुए प्रवासी सम्मेलन में जगह का मुद्दा आया था। कई लोगों को प्रवेश नहीं मिल पाया था। इस पर तय किया गया था कि 10 हजार से अधिक की क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर इंदौर में बनाया जाएगा। इसमें मॉल, बजट होटल और फाइव स्टार होटल भी बनाई जाएगी। 3000 से अधिक पार्किंग की व्यवस्था भी रहेगी।

3000 गाड़ियों की पार्किंग भी रहेगी

जमीन का उपयोग बदले जाने का मतलब यह है कि इस प्रोजेक्ट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई जाएगी। उसके बाद टेंडर प्रक्रिया की जाएगी। हालांकि आईडीए ने प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट की प्रक्रिया पहले ही पूरी कर ली थी। डीपीआर फाइनल होने के साथ ही इसे मंत्री व प्रमुख सचिव के समक्ष रखा जाएगा।

टीसीएस-इन्फोसिस की जमीन से भी है कनेक्शन

सुपर कॉरिडोर पर प्राधिकरण ने टीसीएस और इन्फोसिस को 230 एकड़ जमीन आवंटित की थी। इन दोनों प्रमुख आईटी कंपनियों को शासन ने जो जमीनें औने-पौने दामों पर आवंटित की, उसके एवज में प्राधिकरण को राशि नहीं दी और बाद में छोटा बांगड़दा और नैनोद स्थित 225 एकड़ जमीन का आवंटन राजस्व विभाग के जरिए करवा दिया, ताकि प्राधिकरण की क्षतिपूर्ति हो सके।

आईआईटी में पाथ-वे के लिए छांटे पेड़

प्रोफेसरों ने 'सेव ट्री अभियान' चलाकर रुकवाया काम

इंदौर (एजेंसी)। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), इंदौर के परिसर में हरे-भरे पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलने को लेकर प्रबंधन और प्रोफेसर आमने-सामने हो गए हैं। पेड़ों को बचाने के लिए प्रोफेसरों ने सेव ट्री कैंपेन चलाया। डायरेक्टर ने जब प्रतिनिधिमंडल की गुहार सुनने से इनकार कर दिया तो चेयरमैन को थोकबंद ई-मेल करते हुए शिकायत की गई। विवादों के चलते पाथ-वे बनाने का काम फिलहाल रुक गया है। हरियाली सहेजने के लिए आईआईटी में कई योजनाएं चल रही हैं। आईआईटी, इंदौर एकमात्र ऐसा आईआईटी है जिसे पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने कैम्पा (राष्ट्रीय प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण) के तहत नगर वन परियोजना के लिए चुना है। यहां वन वाटिका के लिए 1.98 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। दूसरी ओर, आईआईटी के ही एक प्रोजेक्ट के कारण हरियाली दांव पर लग गई है। दरअसल, बारिश और धूप से बचने के लिए कैंपस में कांक्रीट के पाथ-वे का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए यहां बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाना हैं। कुछ पेड़ों की छंटाई शुरू होते ही संस्थान के प्रोफेसरों ने इसका विरोध शुरू कर दिया।

डायरेक्टर से मिलकर दर्ज कराया विरोध- काम रुकवाने के लिए आईआईटी के फैकल्टी फोरम के मेंबर पहले डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी से मिले। सूत्रों के अनुसार डायरेक्टर ने पाथ-वे को लेकर मेंबर्स की बात सुनने से इनकार कर दिया। इस कारण भी फैकल्टी मेंबर्स में काफी नाराजगी है। बाद में उन्होंने आईआईटी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन को ई-मेल किए।

जहां जरूरी था सिर्फ वहीं की गई है छंटाई- आईआईटी प्रबंधन का कहना है कि होस्टल्स, क्लास रूम्स, लैबोरेटरीज, मैस के बीच हर मौसम में आवागमन सुविधाजनक करने के लिए पाथ-वे का निर्माण कराया जा रहा है।

विश्राम बाग-पश्चिम शहर में पर्यटन का नया केंद्र विकसित

इंदौर (एजेंसी)। रणजीत हनुमान मंदिर के पास करीब 10 एकड़ पर विकसित विश्राम बाग पश्चिम शहर में पर्यटन का नया केंद्र बन गया है। यहां बच्चों के मनोरंजन के साधन के साथ ही बगीचा, नहर और मंदिर है। करीब 15 करोड़ रुपए से इसे विकसित किया है। यहां बच्चों की ट्रेन चलाने की भी योजना है।

9 करोड़ खर्च कर स्विमिंग पूल बना रहे- यहीं पर करीब 9 करोड़ की लागत से स्विमिंग पूल बनाया जा रहा है। इसका काम भी चल रहा है। अंतरराष्ट्रीय मापदंड के हिसाब से इसे बनाया जा रहा है। पूर्ण होने पर ट्रेनर भी नियुक्त किए जाएंगे।

इंदौर में अरिजीत सिंह का हुआ लाइव कॉन्सर्ट

20 हजार से ज्यादा फैंस पहुंचे थे, बायपास पर लगा रहा 4 किमी लंबा जाम लग गया था

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के बायपास स्थित सी-21 एस्टेट ग्राउंड पर शनिवार रात करीब 9 बजे बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह का म्यूजिक कॉन्सर्ट शुरू हुआ। अरिजीत के गीतों को सुनकर फैंस झूम उठे। अरिजीत ने लगभग तीन घंटे अपने चाहने वालों को अपने गीतों से मंत्रमुग्ध करके रखा। इससे पहले कॉन्सर्ट के चलते बायपास पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। ट्रक और अन्य कई वाहन करीब 4 किलोमीटर लंबे जाम में फंसकर सड़क पर रेंगते नजर आए। बता दें कि कॉन्सर्ट से पहले ही आयोजकों ने मनोरंजन कर के नाम पर नगर निगम में 30 लाख रुपए का चैक जमा करा दिया था। इसके साथ ही आयोजकों ने 20 लाख रुपए का एक एडवांस चैक भी जमा कराया। इधर, पुलिस ने भी कॉन्सर्ट को देखते हुए शो के पहले ट्रैफिक प्लान में बदलाव किया था। हालांकि इस सबके बावजूद अरिजीत के फैंस जाम में फंसकर परेशान होते नजर आए। करीब 3 लाख वर्ग फीट में फैले ग्राउंड में 12 हजार वर्गफीट का विशाल मंच बनाया गया है। इस मंच से अरिजीत ऑडियंस के बिल्कुल पास तक पहुंचेंगे। इसके लिए ग्राउंड के बीचों-बीच 150 फीट से अधिक लंबा रैम्प बनाया गया है। इससे स्टेज के पीछे बैठे श्रोता भी अरिजीत को आसानी से देख सकेंगे। स्टेज और प्रोडक्शन की व्यवस्थाएं संभालने के लिए दिल्ली और मुंबई से 400 लोगों की टीम आई है। कॉन्सर्ट के एक दिन पहले साउंड सिस्टम टेस्ट किया गया। अरिजीत के लिए 7 वैनिटी वैन का इंतजाम किया गया है। इनमें से 3 वैन शुक्रवार को ही इंदौर पहुंच गई थी। अरिजीत लगातार 3 घंटे स्टेज पर रहेंगे। साथ में 50 से ज्यादा बैंक डांसर भी हैं। म्यूजिक का बेहतर अनुभव देने के लिए 120 डेसीबल से ज्यादा की क्षमता वाला हाई क्वालिटी साउंड सिस्टम लगाया गया है।

ग्राउंड में प्रवेश करने के लिए 10 एंट्री गेट- भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ग्राउंड में प्रवेश के 10 एंट्री गेट बनाए गए हैं। 20 से ज्यादा फूड स्टॉल्स लगाए गए हैं। इसमें पिज्जा, पावभाजी, कोल्ड ड्रिंक्स सहित कई फूड आइटम शामिल हैं।

आयोजकों ने जमा कराया 30 लाख का मनोरंजन टैक्स

इंदौर में इससे पहले आयोजित कई बड़े शो मनोरंजन टैक्स को लेकर विवादों में रहे हैं। इसे देखते अरिजीत के शो से पहले ही आयोजकों ने 30 लाख रुपए का चेक नगर निगम में जमा करा दिया है। बताया जा रहा है कि इस चेक के साथ ही आयोजकों ने 20 लाख रुपए का एक एडवांस चेक भी निगम को सौंपा है। बता दें कि इससे पहले इंदौर में दिलजीत दोसांझ और हनी सिंह के शो को लेकर नगर निगम को पर्याप्त मनोरंजन कर नहीं मिला था। हनी सिंह के शो के बाद नगर निगम ने टैक्स वसूली के लिए तीन ट्रक उपकरण भी जब्त कर लिए थे। बाद में मामला कोर्ट तक पहुंचा था।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, सोमवार 21 अप्रैल, 2025

संपादकीय

100 प्रतिशत सफलता के झूठे दावे ...

हकीकत यह है कि कोचिंग संस्थानों और उसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बहुत बड़ी है और उसके मुकाबले नौकरी के लिए सीटें सीमित या बहुत कम संख्या में होती हैं। ऐसे में सबको 'सौ फीसद चयन' की गारंटी देना भ्रम परोसने से कम नहीं है।सही है कि हाल के दशकों में ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के क्रम में कोचिंग संस्थानों की भूमिका बढ़ती गई है। बल्कि आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा जगत के दायरे में इसे कोचिंग उद्योग के नाम से जाना जाने लगा है। मगर इस क्रम में बनी निर्भरता के समांतर बहुत सारे कोचिंग संस्थान अपने यहां दाखिले के लिए जिस तरह के दावे करते हैं, अपनी उपलब्धियों, सुविधाओं और संसाधनों को इस कदर बढ़ा-चढ़ा कर पेश करते हैं कि कई विद्यार्थी इसके प्रभाव में वहां चले जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी अन्य संस्थान में पढ़ाई किए सफल अभ्यर्थी को वे अपने यहां का बता दें। हालांकि कई बार ऐसे दावे झूठे निकलते हैं। कोचिंग संस्थानों की इस प्रवृत्ति पर कई बार सवाल उठ चुके हैं, सरकार ने सख्ती बरतने की बात कही है, खुद सर्वोच्च न्यायालय भी कह चुका है कि कई कोचिंग संस्थान अभ्यर्थियों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। मगर अलग-अलग तरीके अपना कर झूठे दावे करने के चलन पर अब तक रोक नहीं लगाई जा सकी है। अब एक बार फिर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कोचिंग संस्थानों की ओर से परोसे जाने वाले भ्रम पर शिकंजा कसने के लिए कड़ी चेतावनी जारी की है। उपभोक्ता अधिकारों से संबंधित इस निकाय ने उनके लिए पिछले वर्ष निर्धारित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने

का निर्देश दिया है। इसके तहत कोचिंग संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके विज्ञापन 'सटीक, स्पष्ट हों और भ्रामक दावों से मुक्त' हों; विद्यार्थियों के दाखिले को लेकर बताई जाने वाली जानकारी में पूरी पारदर्शिता हो। यह छिपा नहीं है कि प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराने के मद्देनजर कोचिंग संस्थान जिस तरह की प्रचार सामग्री जारी करते हैं, उनका केंद्रीय भाव यही होता है कि उनके यहां पढ़ाई करने के बाद सफलता की गारंटी और चयन की संभावना 'सौ फीसद' होगी। हकीकत यह है कि कोचिंग संस्थानों और उसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बहुत बड़ी है और उसके मुकाबले नौकरी के लिए सीटें सीमित या बहुत कम संख्या में होती हैं। ऐसे में सबको 'सौ फीसद चयन' की गारंटी देना भ्रम परोसने से कम नहीं है।

गौरतलब है कि आइआइटी-जेईई परीक्षा के नतीजों की तारीख नजदीक है। आमतौर पर इसी तरह की किसी बड़े महत्त्व की परीक्षा के नतीजों के बाद कई कोचिंग संस्थानों की ओर से ऐसे दावे किए जाते हैं कि उनके यहां पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों ने कामयाबी हासिल की है। इस क्रम में वे कई बार दूसरे संस्थानों के विद्यार्थी का नाम भी फर्जी तरीके से इस्तेमाल करते हैं। इसका मकसद यही होता है कि इस तरह के प्रचार को देख कर नए विद्यार्थी उनके संस्थान में दाखिला लेने को लेकर प्रभावित होंगे और इस तरह उनके कारोबार का विस्तार होगा। जबकि इसके बरक्स हकीकत यह होती है कि बहुत सारे सफल अभ्यर्थियों का ऐसा दावा करने वाले संस्थानों से कोई वास्ता नहीं होता। कोचिंग संस्थानों को यह स्पष्ट करने की जरूरत महसूस नहीं होती कि सीमित अवसरों के दौर में सभी अभ्यर्थियों की शत-प्रतिशत सफलता की गारंटी वे किस आधार पर देते हैं। इस तरह के दावे एक तरह से झूठ का कारोबार होते हैं, जिसके जाल में फंस कर बहुत सारे विद्यार्थियों का सपना आमतौर पर अधूरा रह जाता है। ऐसे में अपने संसाधनों और क्षमताओं के बारे में बढ़-चढ़ कर झूठे दावे करने वाले कोचिंग संस्थानों पर लगाम लगाना वक्त की जरूरत है।

पशुओं पर बढ़ती क्रूरता का सच

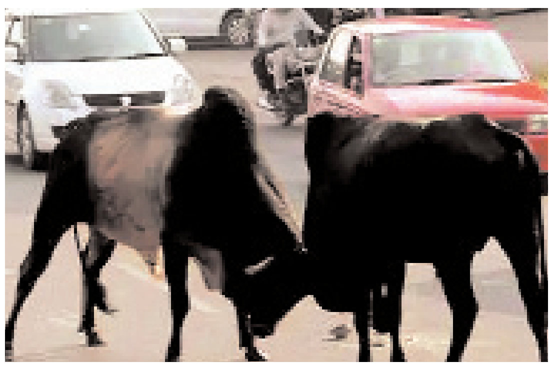

यह एक बड़ी विडंबना है कि जिस देश में कुछ पालतू पशुओं और मनुष्यों का सदियों से नाता रहा है और जिनके एक कुशल और भरोसेमंद साथी होने के कई किस्से प्रचलित रहे हैं, वहां पशुओं के प्रति क्रूरता की घटनाएं क्षोभ पैदा करती हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों मध्यप्रदेश के मुरैना और भिंड जिले में कुत्तों से हुई बर्बरता से साफ है कि जानवरों के प्रति दया की भावना गुम हो गई है। भिंड में लाठी-डंडे से पीट-पीट कर तीन मासूम पिल्लों की इसलिए जान ले ली गई, क्योंकि ये एक घर के बाहर बैठे थे। पशुओं से जिस तरह क्रूरता हो रही है, उससे तो लगता है कि लोगों में संवेदना और करुणा का लोप हो गया है। जानवरों से बेरहमी करने वाला व्यक्ति समाज के लिए कितना हिंसक हो सकता है, अब इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। इस मसले पर ज्यादातर शोधों का यह निष्कर्ष है कि पशुओं से हैवानियत और मनुष्यों के प्रति हिंसा के बीच गहरा संबंध है। हमें यह समझना चाहिए कि जो व्यक्ति पशुओं के प्रति क्रूर हो सकता है, वह समाज के लिए भी खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसा व्यक्ति स्वयं में हिंसक हो सकता है और वह किसी को भी निशाना बना सकता है। एक अध्ययन में पाया गया है कि पशुओं से दुर्व्यवहार करने वालों द्वारा अन्य मनुष्यों को नुकसान पहुंचाने की संभावना पांच गुना होती है। पशुओं से हिंसा करने वाले प्राय-महिलाओं और बच्चों से शारीरिक दुर्व्यवहार करते पाए गए हैं। हमारे यहां कुछ पालतू पशुओं की देखभाल की परंपरा रही है। मगर अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिनमें बिल्लियों-कुत्तों और सांडों और अन्य पशुओं के साथ क्रूर बर्ताव होता रहा है। केरल में कुछ वर्ष पहले एक हथिनी की विस्फोटक से भरा अनानास खाने से हुई मौत ने मानवता पर कई सवाल खड़े किए थे। सवाल है कि कोई जानवर आक्रामक हो रहा है, तो इसके कारणों को जानना चाहिए। गलियों में किसी अनजान व्यक्ति को देख कर कुत्तों का भौंकना स्वाभाविक है। उन्हें मारने-पीटने के बजाय अगर थोड़ी भी करुणा होती, तो लोग कोई दूसरा उपाय करते। लोगों के भीतर इस तरह संवेदना का लोप होने का असर मनुष्यों के बीच पारस्परिक संबंधों पर भी पड़ रहा है।

आज का कार्टून

राष्ट्रपति नाममात्र का मुखियाः कपिल सिब्बल

आखिर न्यायपालिका को सुपर संसद के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी?

> उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिल्ली हाइकोर्ट के एक जज के घर मिले कथित कैश की ओर इशारा करते हुए उस पर लीपापोती की नाजायज प्रवृत्ति पर भी सवाल उठाए। धनखड़ ने दो टूक शब्दों में कहा कि हाई कोर्ट के एक जज के घर से मिले कैश से जुड़े मामले में एफआईआर न होना आमलोगों के सवालों के घेरे में है। इसलिए सवाल उठाया कि क्या कानून से परे एक श्रेणी को अभियोजन से छूट है। उन्होंने ठीक ही कहा कि जूडिशरी की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का सुरक्षा कवच नहीं है। एक पत्रकार के रूप मेरी भी व्यक्तिगत राय है कि न्यायिक भ्रष्टाचार की जांच के लिए न्यायिक पुलिस और पत्रकारिता के भ्रष्टाचार की जांच के लिए मीडिया पुलिस का अविलंब गठन किया जाए। प्रशासनिक व्यवस्था के किसी भी क्षेत्र को स्वनियमन बनाने और लागू करने की छूट नहीं दी जाए।

कमलेश पांडे

भारतीय लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका में पारस्परिक टकराव कोई नई बात नहीं है, लेकिन यह जनहित में होना और दिखाई देना चाहिए। लेकिन अब जिस तरह से अपनी नाकामियों और चरित्रहीनता को छिपाने के लिए ये लोग संवैधानिक नियमों का दुरूपयोग कर रहे हैं, वह किसी वैचारिक त्रासदी से कम नहीं है। देश के प्रबुद्ध लोगों को इन संवैधानिक कमियों को पहचानना चाहिए और उसपर अविलंब लीगल सर्जिकल स्ट्राइक करने का दबाव भारतीय संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों पर बनाना चाहिए।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि राष्ट्रीय संसाधनों के न्यायपूर्ण बंटवारे, विधि-व्यवस्था को बनाए रखने और उसे तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सबको समान रूप से गुणवत्तापूर्ण जन सुविधाएं मुहैय्या करवाने में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों असफल साबित हुए हैं और इनके ऊलजलूल तर्कों से देश इस्लामिक चरमपंथियों के नापाक मंसूबों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ प्रतीत हो रहा है! राष्ट्रपति शासन, आरक्षण विवाद, भाषा विवाद, धर्मनिरपेक्षता आदि सुलगते सवालों पर राष्ट्र का सही मार्गदर्शन करने में भी ये संस्थाएं विफल प्रतीत हो रही हैं। ऐसे में इनकी नकेल कसने के लिए भारतीय संविधान कभी कारगर साबित हो ही नहीं सकता, क्योंकि यह खुद साम्राज्यवादी मानसिकता वाले विरोधाभासों से भरा पड़ा है।

ऐसे में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह टिप्पणी वाजिब है कि न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय करने, और सुपर संसद के रूप में काम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है, इसलिए उन्होंने इस विषय को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जो उनके प्रबुद्ध होने का परिचायक है। देश के विश्वविद्यालयों और अन्य पेशेवर संगठनों को इन पर गौर फरमाते हुए आम राय कायम करने की जरूरत है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता! उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आरोप लगाया है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद-142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है जो न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है। बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अपने समक्ष किसी भी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी करने की शक्ति देता है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया है और कहा है कि, हमारे पास ऐसे जज हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका के काम करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 17 अप्रैल 2025 दिन गुरुवार को कहा कि हाल ही में जूडिशरी के एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिये जाने की पनपी नई प्रवृत्ति पर ठीक ही सवाल किया कि हम किस दिशा में जा रहे है? हमने इस दिन के लिए लोकतंत्र की कभी उम्मीद नहीं की थी। राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है। धनखड़ ने यह टिप्पणी राज्यसभा के ट्रेनीज को संबोधित करते हुए की। उन्होंने ठीक ही कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं बना

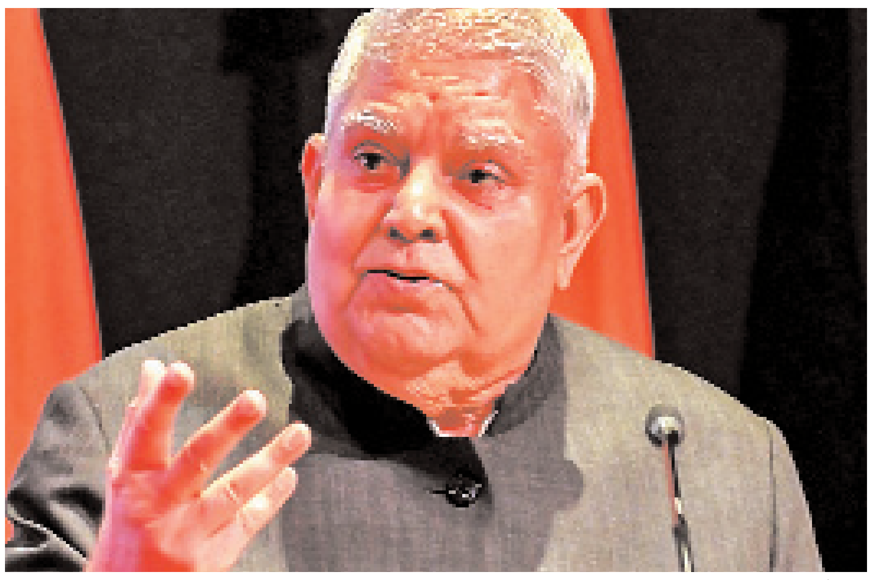

सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें। उन्होंने कहा कि यह निर्देश किस आधार पर दिए जा रहे हैं? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण पर कहा कि जब सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है, तो सरकार संसद के प्रति तथा चुनावों में जनता के प्रति जवाबदेह होती है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है जब विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका फले-फूलें। किसी एक के द्वारा दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप चुनौती पैदा करता है, जो अच्छी बात नहीं है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से बड़े पैमाने पर नकदी की बरामदगी से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज न किए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने ठीक ही कहा कि अगर यह घटना आम आदमी के घर पर हुई होती, तो मामले में रॉकेट की रफ्तार से एफआईआर दर्ज की जाती। जबकि न्यायपालिका की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का सुरक्षा कवच नहीं है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि किसी संस्था या व्यक्ति को पतन की ओर धकेलने का सबसे पुख्ता तरीका उसे जांच से सुरक्षा की पूर्ण गारंटी प्रदान करना है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिल्ली हाइकोर्ट के एक जज के घर मिले कथित कैश की ओर इशारा करते हुए उस पर लीपापोती की नाजायज प्रवृत्ति पर भी सवाल उठाए। धनखड़ ने दो टूक शब्दों में कहा कि हाई कोर्ट के एक जज के घर से मिले कैश से जुड़े मामले में एफआईआर न होना आमलोगों के सवालों के घेरे में है। इसलिए सवाल उठाया कि क्या कानून से परे एक श्रेणी को अभियोजन से छूट है। उन्होंने ठीक ही कहा कि जूडिशरी की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का सुरक्षा कवच नहीं है। एक पत्रकार के रूप मेरी भी व्यक्तिगत राय है कि न्यायिक भ्रष्टाचार की जांच के लिए न्यायिक पुलिस और पत्रकारिता के भ्रष्टाचार की जांच के लिए मीडिया पुलिस का अविलंब गठन किया जाए। प्रशासनिक व्यवस्था के किसी भी क्षेत्र को स्वनियमन बनाने और लागू करने की छूट नहीं दी जाए।

इसलिए यहां पर सवाल उठता है कि आखिर न्यायपालिका को सुपर संसद के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी? मेरा स्पष्ट मानना है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राप्त भारी जनसमर्थन का रणनीतिक दुरूपयोग किया, जिससे न्यायपालिका को विधायिका को दुरुस्त करने का मौका मिल गया, जो अनुचित नहीं है। किसी भी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, राज्यपाल, उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री आदि को वोट बैंक के लिहाज से जनविरोधी या राष्ट्र विरोधी फैसले लिए जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। ऐसे में मजबूत व स्वतंत्र न्यायपालिका जरूरी है। लेकिन भ्रष्ट न्यायपालिका कतई नहीं! देश में फैला न्यायिक भ्रष्टाचार हमारी विधायिका की लगभग 8 दशकों की बड़ी लापरवाही है। वहीं, प्रशासनिक भ्रष्टाचार में भी विधायिका का परोक्ष रूप से हिस्सेदार बन जाने की प्रवृत्ति भी अस्वीकार्य है। सारे टकराव की वजह भी यही भ्रष्ट और अनैतिक आचरण है। मेरा स्पष्ट मानना है कि भारतीय संविधान से नौंवी अनुसूची को हटाकर उसमें शामिल किए गए सभी विषयों की न्यायिक समीक्षा होनी चाहिए, ताकि राजनीतिक मनमानी रूके। वहीं, भारतीय प्रशासन को भी जनहित के प्रति जिम्मेदार बनाए जाने की जरूरत है, अन्यथा उनकी लापरवाहियों के लिए स्पष्ट सजा व जुर्माना का प्रावधान हो, ताकि वो पॉलिटिकल एजेंट की तरह काम करने से बाज आएं। कहना न होगा कि देश में जारी राजनीतिक व प्रशासनिक पक्षपात के चलते ही देश में न्यायपालिका को सब पर भारी पड़ने का मौका मिल गया। विभिन राज्यों में राष्ट्रपति शासन का दुरूपयोग, आरक्षण से जुड़े अभिजात्य वर्गों के हितों को अनैतिक संरक्षण, राष्ट्रपति दया याचिका का राजनीतिक प्रयोग तो महज बानगी हैं, जबकि ऐसे कई उदाहरण हैं जहां संसद ने बहुमत से अल्पमत को कुचला है और देशवासी पददलित हुए हैं। हालांकि, संविधान की नौंवीं अनुसूची के चलते वह भी कई विवादास्पद विषयों पर असहाय नजर आई। इसलिए वक्त का तकाजा है कि सबके व्यक्तिगत विशेषाधिकारों को खत्म कर आम आदमी के प्रति उन्हें जिम्मेदार बनाया जाये। यह काम लोकतांत्रिक दबाव समूह ही कर सकते हैं, क्योंकि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका अपने पेशेवर विशेषाधिकार को आसानी से छोड़ेंगे, ऐसा मुझे नहीं लगता!

छोटी-छोटी खुशियों में छिपा है जीवन का सार

> मृत्यु से पहले भी जीवन है। दार्शनिक हारेस कैलेन ने कहा था- 'दुनिया में ऐसे लोग भी हैं, जो मौत से आतंकित रहते हुए जीते हैं और ऐसे भी हैं, जो जीवन का आनंद लेते हुए समय व्यतीत करते हैं।' पहली श्रेणी के लोग मरे हुए जिंदा रहते हैं। दूसरे जीवन से भरपूर रहकर मृत्यु का अंगीकार करते हैं। इसलिए दूसरी श्रेणी के लोगों का जीवन सार्थक है, क्योंकि वे महान बनाने वाले कारनामों की खोज में भटकना छोड़ उसकी जगह छोटे, मगर उन क्षणों को भरने का प्रयास करते हैं, जो संतोषप्रद हों। तब शायद इस प्रश्न का उत्तर मिल जाए कि जीवन क्या है?

नूरी खान

जीवन एक अमूल्य निधि है। इसके छोटे-छोटे अनुभवों को सहेजना इसे अधिक समृद्ध करता है। इसलिए जीवन की सार्थकता इसी में है कि इसे अपने कार्य और व्यवहार से भी सार्थकता प्रदान की जाए, तभी समग्र रूप से एक सफल जीवन यापन की कल्पना सच होती है। अगर यह सोचा जाए कि एक जीवन तो मेरे सारे सपनों को पूरा नहीं कर सकता, तो ऐसा सोचने वाला व्यक्ति जीवन भर निराशा में डूबा रहता है। ऐसे में वह एक जीवन में प्राप्त हो सकने वाले लक्ष्य को भी नहीं पाता। जीवन की सार्थकता इसमें है कि हमने छोटे-बड़े जो भी कार्य किए हैं, उससे हमें संतुष्टि हो।

अगर इस जीवन को भरपूर सामर्थ्य और समग्रता के साथ जिया जाए तो जीवन सार्थक होगा। ऐसा माना जा सकता है कि जीवन इतना पवित्र, इतना असाधारण और इतना संभावना पूर्ण है कि वह निरर्थक हो ही नहीं सकता। सच है, अगर भरपूर साहस और दैनिक मूल्यों के साथ जीवनयापन किया जाए तो एक जीवन ही बहुत है, लेकिन यह कैसे संभव हो? इस प्रश्न का उत्तर अंगुलियों पर गिने जाने वाले चंद महान कार्यों में नहीं, बल्कि हजारों छोटे-छोटे कार्यों में है, जो हर दिन को पूरी तरह जीने की चेष्टा में है। बस कुछ बातों को आत्मसात करने

भर की देर है, फिर जीवन परिपूर्णता के भाव से भर उठेगा। आवश्यक है चुनौती और पीड़ा को स्वीकार करने की। व्यक्ति को तकलीफों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए, अन्यथा न तो मन में आशाएं जागेगी, न हम हिम्मत जुटा सकेंगे। इसी तरह, पीड़ा की अनुभूति आवश्यक है। वरना हम आनंद का अर्थ नहीं समझ पाएंगे। हममें से अनेक अपने टूटे सपनों का दर्द, ठुकराए जाने की कसक और स्वास्थ्य की पीड़ा लिए घूमते हैं। लेकिन समस्या सुलझाएं कैसे? दुख के आगे हार न मानने वाले उपाय सोचना चाहिए। फिर ईश्वर की अनुकंपा से हमें दुख में सहारा देने वाले लोग मिले हैं। पीड़ा जीवन का अंग है। उसे स्वीकार करने का प्रयास अपनी आत्मा के एक अंश खोने जैसा है। टूटी हड्डियों की तरह टूटे दिल भी आखिर जुड़ जाते हैं। इसलिए भरोसा करना चाहिए कि दुख और पीड़ा के आगे भी जीवन है। पीड़ा का सामना करने के लिए अपनों से निकटता बनाए रखना चाहिए। जिन लोगों के साथ हम अपने जीवन का एक पूरा समय व्यतीत करते हैं, जिनके साथ हम अपने आप को बांटते हैं, उनसे गहरी आत्मीयता से जुड़े रहना चाहिए, क्योंकि जो कुछ हम जीवन में बनाते हैं, एकत्र करते हैं, उसमें बहुत कुछ रेत पर बने महल की तरह है। न जाने कब, कौन-सी लहर बहा कर ले जाए। ऐसे में कोई सहारा देने वाला, बिखराव को समेटकर हाथ थामने वाला हाथ अगर हो तो जीवन की शुरुआत नए सिरे से प्रारंभ करने में देर नहीं लगती। साथ ही सृजनात्मक कार्यों में अपनी उर्जा लगाने की जरूरत है। व्यक्ति अपनी शक्ति और सामर्थ्य से छोटे, मगर सही कार्यों में अपनी ऊर्जा लगाए तो परिणाम संतोषप्रद रहता है। अच्छे और महान कार्य करने का श्रेय किसी वर्ग विशेष तक सीमित नहीं। वैसे भी अच्छा कार्य वही है, जो दूसरों को लाभ और खुद को शांति प्रदान करे। ऐसे छोटे, लेकिन महत्त्वपूर्ण कार्य व्यक्ति को बचाते हैं।

मृत्यु से पहले भी जीवन है। दार्शनिक हारेस कैलेन ने कहा था- 'दुनिया में ऐसे लोग भी हैं, जो मौत से आतंकित रहते हुए जीते हैं और ऐसे भी हैं, जो जीवन का आनंद लेते हुए समय व्यतीत करते हैं।' पहली श्रेणी के लोग मरे हुए जिंदा रहते हैं। दूसरे जीवन से भरपूर रहकर मृत्यु का अंगीकार करते हैं। इसलिए दूसरी श्रेणी के लोगों का जीवन सार्थक है, क्योंकि वे महान बनाने वाले कारनामों की खोज में भटकना छोड़ उसकी जगह छोटे, मगर उन क्षणों को भरने का प्रयास करते हैं, जो संतोषप्रद हों। तब शायद इस प्रश्न का उत्तर मिल जाए कि जीवन क्या है?

इस पर भी जीवन ईश्वर या प्रकृति के बिना पूर्ण नहीं हो सकता। हम अपने आप को प्रकृति से बिना जोड़े जीवन की सार्थकता के चरम का अनुभव नहीं कर सकते। हमारे जीवन को दैहिक स्तर मात्र से ऊपर उठने के लिए कुदरत ने बहुत कुछ किया है। कई नैतिक दायित्वों की सीमा तय की हैं। स्वभाववश मानवीय गुणों का विकास किया है और मानव जीवन की किसी नैतिक आचरण के आधार पर परख होती है कि हम हारे या जीते? केवल ईश्वर ही जानता है कि हम क्या हैं। इस आधार पर नहीं कि हमने क्या किया है? ईश्वर न केवल हमें अपनी विफलताओं के लिए क्षमा करता है, बल्कि हमारे हर छोटे कार्यों का श्रेय हमें देता है। उनका भी, जिन्हें हमारे आसपास के लोग भुला चुके होते हैं।

महत्त्वपूर्ण बात यह है कि जीवन में प्रेम का कोई विकल्प नहीं है। प्रेम मनुष्य को अपने आप में संतुष्ट करता है। प्रेम पाने का नहीं, देने का नाम है और देकर ही हम संतुष्ट होते हैं। कुदरत द्वारा मनुष्य को दिया गया यह एक विलक्षण और अद्भुत भाव है, जो मानव को ईश्वर तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करता है। महान और बड़े कार्यों की चिंता और विचार में अपने जीवन को खत्म करने से अच्छा है छोटे, महत्त्वपूर्ण और संतोषप्रद भावों, विचारों और कार्यों को जीवन में जगह दी जाए। यही सार्थक जीवन का आधार बनते हैं।

यह सम्मान की बात, इस साल भारत यात्रा के लिए उत्सुक

नईदिल्ली, एजेंसी। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को बताया कि वे साल के अंत तक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। एलन मस्क ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत के बाद यह टिप्पणी की। इस बातचीत के दौरान मस्क और मोदी ने प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग आगे बढ़ाने पर चर्चा की।

उस बैठक के दौरान मोदी और मस्क ने एआई, अंतरिक्ष अन्वेषण (स्पेस एक्सप्लोरेशन), नवाचार और सतत विकास के साथ अन्य क्षेत्रों में भारतीय और अमेरिकी संस्थाओं के सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।

अमेरिका में फरवरी में हुई बैठक के बाद पीएम मोदी ने पोस्ट किया था कि एलन मस्क और उनके परिवार के साथ मिलकर खुशी हुई। इस मुलाकात में हमने अलग-अलग विषयों पर बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन को भारत में आगे बढ़ाने की बात की।

आईसीआईसीआई बैंक को हुआ 12629 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक ने तिमाही नतीजों का ऐलान किया है। बैंक के नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। दिग्गज प्राइवेट बैंक का नेट प्रॉफिट मार्च तिमाही के दौरान 12629.58 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी मार्च तिमाही में 10,707.53 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। आईसीआईसीआई बैंक ने तिमाही नतीजों के साथ डिविडेंड का भी ऐलान किया है। बता दें, प्राइवेट बैंक की बोर्ड मीटिंग 19 अप्रैल को थी।

आईसीआईसीआई बैंक के एनआईआई में इजाफा- इस प्राइवेट बैंक के नेट इंटरेस्ट इनकम में 11.80 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली थी। चौथी तिमाही में एनआईआई 42,430.80 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में कंपनी का एनआईआई 37,948.36 करोड़ रुपये रहा है।

आईसीआईसीआई बैंक ने मार्च तिमाही के साथ डिविडेंड का भी ऐलान किया है। बैंक ने कहा है कि 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 11 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। आईसीआईसीआई बैंक की तरफ से डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान एनुअल जनरल मीटिंग में किया जाएगा।

आईटीसी ने इस कंपनी पर बढ़ाया दांव, अब शेयर पर रहेगी नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। रोजमर्रा की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली लीडिंग एफएमसीजी कंपनी आईटीसी लिमिटेड ने शिशु देखभाल ब्रांड मदर स्पर्श में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। कंपनी ने अपना निवेश 26.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 49.3 प्रतिशत कर रही है। इसके लिए आईटीसी ने लगभग 81 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है।

इस रणनीतिक निवेश के साथ आईटीसी का मदर स्पर्श में कुल निवेश बढ़कर करीब 126 करोड़ रुपये हो जाएगा। कंपनी ने यह भी संकेत दिया कि आगामी 2 से 3 वर्षों में पूर्व निर्धारित मूल्यांकन और शर्तों के आधार पर शेष हिस्सेदारी भी अधिग्रहित करने की योजना बना रही है। यह अधिग्रहण आईटीसी की आईटीसी नेक्स्ट रणनीति के अनुरूप है, जो भविष्योन्मुख उत्पाद इनोवेशन, ब्रांड विस्तार और डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने पर केंद्रित है।

24 मंत्रा ऑर्गेनिक ब्रांड का अधिग्रहण- इससे पहले गुरुवार को आईटीसी ने कहा कि वह 24 मंत्रा ऑर्गेनिक ब्रांड के तहत जैविक पैकेज्ड खाद्य उत्पादों के निर्माण और बिक्री में लगी श्रेष्ठा नेचुरल बायोप्रोडक्ट्स का लगभग 472.50 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने श्रेष्ठा नेचुरल बायोप्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एसएनबीपीएल) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एसएनबीपीएल के पोर्टफोलियो में 100 से अधिक जैविक उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

3 दिन, 3 रिकॉर्ड... इस हफ्ते सोना लगातार नई ऊंचाई पर पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते सोने ने कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। यह पीली धातु लगातार ऊंची छलांग लगा रही है। इस हफ्ते सिर्फ तीन दिनों में ही इसने तीन रिकॉर्ड बना दिए हैं। दरअसल, इस हफ्ते मार्केट तीन दिन ही खुली है। सोमवार 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती की वजह से मार्केट बंद थी। इसके बाद मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को ही मार्केट खुली। शुक्रवार को गुड फ्राइडे की वजह से मार्केट फिर बंद रही।

बात अगर तीन दिन की करें तो इन तीन दिनों में भी सोने में तेजी ही आई है। मंगलवार, बुधवार और गुरुवार, तीनों दिन सोने ने तेजी का रिकॉर्ड बनाया है। इस समय सोने का भाव अपने उच्चतम स्तर पर है। गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोने का भाव 50 रुपये बढ़कर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। इन तीन दिनों में सोने की कीमत में 1.84 फीसदी की तेजी आई है।

अभी क्या है सोने की कीमत?- सोने की कीमत अभी नए रिकॉर्ड पर पहुंची है। पिछले कुछ समय से सोने की कीमत में लगातार उछाल आ रहा है। स्थिति यह है कि सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम 98 हजार रुपये के स्तर को पार कर गई

है। गुरुवार को सोने की कीमत बढ़कर 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गई थी।

तीन दिन में कैसे बने 3 रिकॉर्ड?- इस हफ्ते सिर्फ तीन दिन ही बाजार खुला हुआ था। इन तीन दिनों में मार्केट में सोने में लगातार तेजी रही। मंगलवार को सोना 50 रुपये बढ़कर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। चांदी भी 2,500 रुपये बढ़कर 97,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। सोने की कीमतों में यह उछाल डॉलर के कमजोर होने और अमेरिकी ट्रेड पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता के कारण आया।

वहीं अगले दिन यानी 16 अप्रैल को सोने की कीमत में बंपर उछाल आया। सोना 1,650 रुपये बढ़कर 98,100 रुपये के नए शिखर पर पहुंच गया था। सोने की कीमतों में 11 अप्रैल के बाद यह सबसे अधिक एक दिन की तेजी थी। तब स्थानीय बाजारों में सोने की हाजिर कीमतों में 6,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 1,650 रुपये उछलकर 97,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया था, जबकि पिछले दिन इसका भाव 96,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

17 अप्रैल को सोने की कीमत में फिर से तेजी आई। इस दिन सोना 70 रुपये की बढ़त के साथ 98,170 रुपये के नए शिखर पर पहुंच गया। वहीं 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 70 रुपये बढ़कर 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। ऐसे में देखा जाए तो इन तीन दिनों ने लगातार तीन दिन नया रिकॉर्ड बनाया और 1.84 फीसदी की तेजी आई।

1. ट्रंप के टैरिफ

यह वैश्विक अनिश्चितता का सबसे बड़ा कारण है। ट्रंप के टैरिफ का मतलब है कि उन्होंने दूसरे देशों से आने वाले सामान पर टैक्स बढ़ा दिया है। हाल ही में उन्होंने खनिजों के आयात पर जांच करने का आदेश दिया। इससे बुधवार को बाजार में और भी ज्यादा डर फैल गया।

2. डॉलर इंडेक्स

डॉलर की चाल का असर सोने पर उल्टा होता है। जब डॉलर मजबूत होता है तो सोने की कीमतें गिरती हैं। जब डॉलर कमजोर होता है, तो सोने की कीमतें बढ़ती हैं। निवेशक अपनी पूंजी को सुरक्षित रखने के लिए डॉलर को खरीदना चाहते हैं। लेकिन ट्रंप की टैरिफ युद्ध की वजह से देश सोने की तरफ जा रहे हैं।

3. सेंट्रल बैंक की खरीदारी

जानकारों का मानना है कि सेंट्रल बैंक सोने की खरीदारी करते रहेंगे। श्वञ्जस्न में भी खूब पैसा आएगा। इससे सोने का आकर्षण बना रहेगा।

4. फेड रेट कट

जानकारों के मुताबिक बाजार को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व मंदी को रोकने के लिए ब्याज दरों में कटौती करेगा। फेडरल रिजर्व अमेरिका का सेंट्रल बैंक है। सोना एक गैर-ब्याज वाली संपत्ति है। ब्याज दरें कम होने से सोने को फायदा होता है।

बदलती वैश्विक स्थिति के बीच नीतिगत कार्रवाई में आरबीआई सक्रिय, गवर्नर मल्होत्रा की टिप्पणी

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडोनेशिया के बाली में 24वें एफआईएमएमडीए-पीडीएआई के वार्षिक सम्मेलन में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बोलते हुए कहा कि, पिछला साल वैश्विक स्तर पर वित्तीय बाजारों के लिए चुनौतिपूर्ण भरा रहा, वहीं वर्तमान में भी व्यापार युद्ध के कारण अनिश्चितताएं बनी हुईं हैं। आरबीआई गवर्नर ने उच्च मुद्रास्फीति के खिलाफ उनकी लड़ाई को अंतिम चरण में पहुंचाने और अनिश्चितता के माहौल में नए रास्ते बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता भरे माहौल में भी भारतीय वित्तीय बाजार स्थिर रहे हैं और सभी खंड ने बेहतर प्रदर्शन किया है। यह सम्मेलन में भारतीय वित्तीय बाजार - बदलते परिवेश में मार्गदर्शन पर रहा जहां मौजूदा समय में वित्तीय बाजारों के प्रदर्शन पर चर्चा की गई।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा वित्तीय बाजारों ने उल्लेखनी प्रदर्शन किया है, जबकि वे अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक वातावरण की अनिश्चितताओं से अछूते नहीं हैं। जैसा कि हमने हाल ही में मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद अपने बयान में उल्लेख किया है, हमारे घरेलू विकास मुद्रास्फीति संतुलन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जिसकी वजह से वित्त वर्ष 2026 में मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत के लक्ष्य के अनुरूप बने रहने का अनुमान है। वैश्विक अनिश्चितताएं और मौसम संबंधी गड़बड़ी, हालांकि मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण के लिए जोखिम पैदा करती हैं। भले ही हमने वित्त वर्ष 2026 के लिए 6.5 प्रतिशत पर कुछ कम वास्तिवक जीडीपी विकास का अनुमान लगाया है, भारत अभी भी सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। बावजूद इसके हमारी आकांक्षा से बहुत कम है। हमने दो बार रेपो दरों में कमी की है और बाजार में पर्याप्त तरलता भी प्रदान की है। मल्होत्रा ने कहा कि तेजी से विकसित हो रही स्थिति को देखते हुए, विशेष रूप से वैश्विक मोर्चे पर (टैरिफ व्यापार युद्ध) पर हम आर्थिक दृष्टिकोण की लगातार निगरानी और आकलन कर रहे हैं। हम हमेशा की तरह नीतिगत मोर्चे पर अपने काम को करते रहेंगे।

भारतीय वित्तीय बाजार पर बोलते हुए उन्होंने कहा, भारतीय वित्तीय बाजार विदेशी मुद्रा (फएक्स) सरकारी प्रतिभूति (जी-सेक), मनी मार्केट सहित सभी बाजार खंड काफी हद तक स्थिर रहे हैं। जबकि कुछ महीने पहले डॉलर के मुकाबले रुपया थोड़ा दबाव में आया था, उसके बाद इसने बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा इक्विटी बाजारों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ, क्योंकि पूंजी की बहिर्वास में तेजी आई, जो कि अधिकांश उभरते बाजारों में देखा गया। हालांकि सरकारी प्रतिभूति बाजारा पूरे साल स्थिर रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों की सकल बाजार उधारी जो वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 24.7 लाख करोड़ रुपये थी, जो आसानी से चुका दी गई है। केंद्र सरकार के लिए उधार लेने की लागत वित्त वर्ष 2024 में 7.24 प्रतिशत से 28 आधार अंकों की कमी के साथ वित्त वर्ष 25 में 6.96 प्रतिशत हो गई। जी सेक में द्वितीयक बाजार काफी गहरा और सक्रिस बना रहा, जिसे आंशिक रूप से वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में भारत के शामिल होने से काफी मदद मिली है।

मल्होत्रा ने कहा इन सबके बीच भारत एक परिवर्तन और संभावनाओं की दहलीज पर खड़ा है, जहां कई तरह के बदलावों और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, बावजूद इसके यह अवसरों से भरा हुआ है। हमारे पास बड़ी आबादी और कुशल जनशक्ति और समाज को बदलने के लिए प्रौद्योगिकी का विकास और इसका उपयोग करके अपनी क्षमताओं का विकास करेंगे।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता 23 अप्रैल से, सूत्रों ने बताया- 19 अध्यायों पर होगी चर्चा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के अधिकारी प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए 23 अप्रैल से वाशिंगटन में तीन दिवसीय वार्ता करेंगे। इस बातचीत में टैरिफ, गैर-टैरिफ बाधाओं और सीमा शुल्क सुविधा से जुड़े 19 अध्यायों पर चर्चा होगी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

भारतीय अधिकारियों का दल अमेरिका में आधिकारिक दल 90-दिवसीय टैरिफ विराम अवधि में वार्ता को और गति देने और द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करेगी। इससे पहले कुछ मुद्दों पर मतभेदों को दूर करने के लिए इन ञ्जश्ह्रह्य पर मंथन होगा।

भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल, दोनों देशों के बीच पहली आमने-सामने की वार्ता के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। अग्रवाल को 18 अप्रैल को अगला वाणिज्य सचिव नियुक्त किया गया था। वे 1 अक्तूबर से पदभार ग्रहण करेंगे। अधिकारी ने कहा, दोनों पक्ष महत्वाकांक्षा के स्तर पर चर्चा करेंगे। कार्य-दर-नियमों को आगे विकसित किया जाएगा और उन पर चर्चा की जाएगी। वार्ता का मार्ग क्या होगा? कार्य-दर-नियमों में टैरिफ, गैर-टैरिफ बाधाएं, उत्पत्ति के नियम, माल, सेवाएं, सीमा शुल्क सुविधा तथा विनियामक मुद्दे जैसे मुद्दे शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि समझौते की सामान्य रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी, साथ ही समय-सारिणी पर भी चर्चा की जाएगी, ताकि 90 दिनों में चीजों को अंतिम रूप दिया जा सके।

इससे पहले, दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच भारतीय अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण व्यापार चर्चा के लिए 25 से 29 मार्च तक भारत में थे। दोनों पक्ष वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से 9 अप्रैल को घोषित 90-दिवसीय टैरिफ विराम का फायदा उठाने इच्छुक हैं। 15 अप्रैल को वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा था कि भारत अमेरिका के साथ यथाशीघ्र वार्ता समाप्त करने की कोशिश करेगा।

भारत और अमेरिका मार्च से ही द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। दोनों पक्षों ने इस साल की सितंबर-अक्तूबर तक समझौते के पहले चरण को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसका उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से भी अधिक बढ़ाकर 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर करना है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 191 अरब डॉलर है।

जस्ट डायल के प्रॉफिट में 61 प्रतिशत उछाल, मुकेश अंबानी के पास हैं 5 करोड़ से ज्यादा शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकल सर्च इंजन जस्ट डायल ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की आखिरी तिमाही में जस्ट डायल का नेट प्रॉफिट 61 प्रतिशत बढ़कर 584.2 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले इसी तिमाही में जस्ट डायल का मुनाफा 157.6 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उसकी आमदनी 9.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,141.9 करोड़ रुपये रही थी। मार्च तिमाही में कंपनी की आमदनी सात प्रतिशत वृद्धि के साथ 289.2 करोड़ रुपये रही थी। चौथी तिमाही में प्लेटफॉर्म पर विजिटर्स की संख्या 11.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 19.13 करोड़ तक पहुंच गई।

क्या कहा कंपनी के अधिकारी ने- जस्ट डायल के सीईओ यानी मुख्य विकास अधिकारी श्वेतांक दीक्षित ने कहा कि जैसे-जैसे हम वित्त वर्ष 26 में प्रवेश कर रहे हैं। यूजर्स, मर्चेंट्स और शेयरहोल्डर्स के मामले में मजबूत हुए हैं। इस मामले में हमारा विश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत है। वित्त वर्ष 25 जस्ट डायल के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष रहा है।

भारत को जल्द मिल सकती है खुशखबरी ! जर्मनी की हालत खस्ता, 35 प्रतिशत कंपनिया छंटनी की तैयारी में

नईदिल्ली, एजेंसी। नीति आयोग का कहना है कि भारत अगले तीन साल में जापान और जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बन सकता है। भारत अभी अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है। लेकिन भारत जल्दी ही इस मुकाम पर पहुंच सकता है। इसकी वजह यह है कि जापान और जर्मनी की इकॉनमी अभी संघर्ष कर रही हैं जबकि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है। बैंक ऑफ जापान ने चेतावनी दी है कि अमेरिका में टैरिफ पर अनिश्चितता से देश की इकॉनमी बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। जापान की जीडीपी में एक्सपोर्ट का बहुत बड़ा योगदान है। अमेरिका को एक्सपोर्ट होने वाली अधिकांश गाड़ियां जापान में ही बनती हैं।

इसी तरह जर्मनी की इकॉनमी भी संघर्ष कर रही है। एक सर्वे के मुताबिक यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी में 35 फीसदी कंपनियों ने इस साल छंटनी को योजना बनाई है। जर्मनी की इकॉनमी भी काफी हद तक एक्सपोर्ट पर निर्भर है लेकिन अब वहां की सरकार देश में खपत बढ़ाने पर जोर दे रही है। देश में 2023 से ही घरेलू खपत ठहरी हुई है।

अभी कितनी है दूरी

आईएमएफ के ताजा अनुमानों के अनुसार भारत की रियल जीडीपी 4.3 ट्रिलियन डॉलर की है जो जापान (4.4 ट्रिलियन डॉलर) और जर्मनी (4.9 ट्रिलियन डॉलर) से कुछ ही कम है। नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम का कहना है कि विकसित भारत का सपना पूरा होने के साथ ही देश 2047 में 30 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में पहचाना जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत अगले वर्ष के अंत तक पांचवीं से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और इसके बाद देश अपने विकास की गति को तेज करते हुए तीसरा और दूसरा स्थान भी पा लेगा।

गरीबी कम होने के बावजूद 80 करोड़ लोग ले रहे हैं मुफ्त का राशन

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मुफ्त अनाज सिर्फ गरीबों को मिलना चाहिए। समृद्ध लोगों को इसका फायदा नहीं पहुंचना चाहिए। सरकार कहती है कि देश में गरीबी बहुत कम हो गई है। लेकिन सरकार यह भी कहती है कि वह 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त अनाज दे रही है। यह देश की आबादी का 57.5 प्रतिशत है। गरीबी कम होने के बाद भी यह आंकड़ा कम नहीं होता। क्या यह विरोधाभास नहीं है?

यहां पर दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात है टाइप ए त्रुटियां। इसका मतलब है कि सब्सिडी का लाभ उन लोगों तक भी पहुंच रहा है जो गरीब नहीं है। दूसरी बात है टाइप क्च त्रुटियां। इसका मतलब है कि सरकार हर गरीब तक पहुंचने में विफल हो रही है। नेता टाइप क्च त्रुटियों को रोकना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि योजनाएं सभी जरूरतमंदों तक पहुंचें। इससे उन्हें ज्यादा वोट मिल सकते हैं। लेकिन वे टाइप॒ त्रुटियों को नहीं रोकना चाहते। दरअसल, लोकतंत्र में एक अजीब राजनीतिक प्रोत्साहन है। नेता चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिले। इससे उन्हें ज्यादा वोट मिलेंगे। सुप्रीम कोर्ट पूछता है, क्या राशन कार्ड लोकप्रियता कार्ड बन रहे हैं? जवाब है- वे हमेशा से लोकप्रियता कार्ड रहे हैं। इसमें कुछ भी नया नहीं है।

डिलीवरी कैपिसिटी में सुधार- टाइप ए त्रुटियों को रोकना और टाइप क्च त्रुटियों को प्रोत्साहित करना, दोनों ही बातें तार्किक रूप से सही हैं। दोनों का मकसद लाभार्थियों की संख्या बढ़ाना है। एक का मकसद सभी वंचितों तक पहुंचना है। दूसरे का मकसद सभी गैर-जरूरतमंदों तक पहुंचना है। टाइप क्च त्रुटियों को सिर्फ अखबारों के संपादकों, अर्थशास्त्रियों और कभी-कभी जजों द्वारा ही गलत माना जाता है। नेताओं या मतदाताओं को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने एक बार कहा था कि गरीबी दूर करने के कार्यक्रमों में सिर्फ 15 प्रतिशत पैसा गरीबों तक पहुंचता है। बाकी पैसा लाल फीताशाही, भ्रष्टाचार और गलत लक्ष्य निर्धारण में बर्बाद हो जाता है। लेकिन तब से सरकारों की काम करने की क्षमता में काफी सुधार हुआ है। डिजिटलीकरण, जन धन योजना, आधार डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, फर्जी राशन कार्डों को खत्म करने और भ्रष्टाचार में कमी आई है। अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज ने डिजिटल त्रुटियों को उजागर किया है। लेकिन कुल मिलाकर त्रुटियां पहले से कम हैं। कोविड के दौरान, सरकार ने गरीबों को मुफ्त राशन अच्छी तरह से पहुंचाया। मतदाताओं ने भाजपा को उत्तर प्रदेश के चुनावों में शानदार जीत दिलाई।

गरीबी और राजनीति- सरकार की डिलीवरी कैपेसिटी में सुधार के बावजूद मुफ्त राशन का लक्ष्य निर्धारण क्यों नहीं सुधरता? इसका कारण है लोकतांत्रिक राजनीति। जब ज्यादातर लोग गरीबी रेखा से नीचे थे, तो गरीबी दूर करने के कार्यक्रम ज्यादातर मतदाताओं को लक्षित थे। लेकिन जब गरीबों की संख्या में कमी आई है (कम से कम सरकारी आंकड़ों के अनुसार), तो राजनीति पूरी तरह से बदल गई। लाभों को एक छोटे वर्ग तक सीमित करने का मतलब था लाखों लोगों से सस्ता भोजन का अधिकार छीनना। कोई भी नेता आपको बताएगा कि यह राजनीतिक आत्महत्या है। इसलिए, भले ही गरीबी करोड़ों लोगों तक कम हो जाए, लेकिन कोई भी राजनीतिक पार्टी करोड़ों लोगों से हक छीनने की हिम्मत नहीं करती है।

अमेरिका में रोनाल्ड रीगन गरीबी की रानियों को मिलने वाले लाभों की आलोचना करके लोकप्रिय हुए। उन्होंने कहा कि ये लोग काम कर सकते हैं और कमा सकते हैं, लेकिन सब्सिडी पर जीना पसंद करते हैं। रीगन ने इसे करदाताओं के पैसे की बर्बादी बताया। उनकी इस बात का लेबर क्लास के एक बड़े वर्ग ने समर्थन किया।

इनकम टैक्स

भारत में राजनीति इतनी अलग क्यों है? क्योंकि मध्यम वर्ग को लुभाने के लिए इनकम टैक्स में छूट की सीमा को एक लाख रुपये प्रति माह तक बढ़ा दिया गया है। अब सिर्फ सबसे अमीर लोग ही इनकम टैक्स देते हैं। यह आबादी का सिर्फ 4 प्रतिशत है। लोकतंत्र की सफलता मतदाताओं और चुने हुए शासकों के बीच एक सामाजिक अनुबंध पर निर्भर करती है। लोग सरकार को टैक्स लगाने की शक्ति देते हैं। बदले में, उन्हें अच्छी सार्वजनिक और सामाजिक सेवाएं मिलती हैं। जो मतदाता अपने टैक्स के पैसे के इस्तेमाल से असंतुष्ट हैं, वे गलत सरकारों को वोट देकर हटा देते हैं। इस तरह टैक्स के पैसे का दुरुपयोग रोका जाता है।

भारत में ऐसा नहीं होता क्योंकि सिर्फ 4 प्रतिशत लोग ही इनकम टैक्स देते हैं। कई लोग टैक्स रिटर्न फाइल करते हैं, लेकिन टैक्स नहीं देते। ज्यादातर मतदाताओं को टैक्स के पैसे के दुरुपयोग से कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वे इनकम टैक्स नहीं देते हैं। उनके टैक्स के पैसे का दुरुपयोग नहीं हो रहा है। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि अमीरों के टैक्स के पैसे का इस्तेमाल वोट बैंक बनाने के लिए किया जा रहा है। ज्यादातर मतदाता मुफ्त चीजों का दायरा बढ़ाना चाहते हैं, न कि टैक्स का दायरा। क्या यह लोकतांत्रिक राजनीति का एक सही नतीजा है? शायद ठीक है, लेकिन निश्चित रूप से बहुत अच्छा नहीं है।

उन्नति का जरिया अनानास

जलवायु

अनानास गर्म और आर्द्र जलवायु का फल है. समुद्र तटीय क्षेत्र फलों के बढ़वार के लिये अत्यंत लाभदायक होता है, क्योंकि तटीय क्षेत्रों का तापमान अत्यधिक नहीं होता है. अनानास उत्पादन के लिये 22 से 32 डिग्री से. तापमान सर्वोत्तम होता है। पत्तियों के बढ़वार से लिए 32 से. एवं जड़ों के बढ़वार के लिये 29 से.तापमान सर्वोत्तम होता है. 20 डिग्री सें.ग्रे से कम तथा 36 डिग्री सें. ग्रे.से अधिक तापमान में पत्तियाँ एवं जड़ों की बढ़वार रुक जाती है। मैदानी क्षेत्रों की तेज सूर्य किरणों से पौधों की पत्तियों को हानि होती है. छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के कुछ स्थानों पर आम के बगीचों तथा केला के बगीचों में सफलतापूर्वक मैदानी क्षेत्रों में अनानास उगाया जा सकता है। 100-150 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र एवं समुद्र तल से 1100 मी. की ऊंचाई में अनानास का व्यापारिक उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है. दुमट-बलुआर भूमि उत्तम होती है. पौधों की जड़ें 12-20 सेमी. गहराई तक जाती है, अर्थात् भूमि गहरी होना आवश्यक नहीं है. भूमि का जल निकास उचित होना चाहिए.पी.एच. मान 5-6 होना चाहिए.

पौध रोपण- रोपण का समय

रोपण का समय प्राकृतिक बहार के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है.जो भिन्न-भिन्न स्थानों में भिन्न-भिन्न होता है. यदि रोपण सामग्री (प्रवर्धन सामग्री) में पर्याप्त कार्यकीय वृद्धि नहीं हुई है तो पौधों में या तो फूल देरी से आएंगे या बहुत जल्दी आएंगे जिससे पौधे बहुत ही छोटे फल बनाएंगे जो गुण एवं वजन दोनों में कम होंगे. अतः पूर्ण रूप से विकसित अर्थात् जिसकी कार्यकारी वृद्धि पूर्ण हो. ऐसे प्रवर्धन सामग्री का चयन करना चाहिए। रोपण का आर्द्रता समय प्राकृतिक रूप से बाहर आने के 12-15 माह पूर्व होनी चाहिए. जो दिसम्बर से मार्च तक भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रोपण का समय होता है.

रोपण

अनानास के पौधे लगाने की विधि अन्यफलों से भिन्न होती है. अनन्नास के पौधे तीन विधियों से लगाए जाते है:-

1. एक पंक्ति विधि
2. दोहरी पंक्ति विधि
3. तीन पंक्ति विधि

एक पंक्ति विधि में पौधे कतारों से निश्चित दूरी पर लगाए जाते हैं. दोहरी पंक्ति विधि में जो कि अधिकांश अपनाई जाती है, पौधों की दो पंक्तियां 0.5 मी. के अंतर से लगाना चाहिए. इन दो पंक्तियों के मध्य 0.75 मी.स्थान छोड़कर पुनः 0.50 मी. के अंतर से पंक्तियां लगाते हैं. पौधों की दूरी 40 सेमी. रखें. इस विधि से 35000 से 40000 पौधे प्रति हैक्टर लगाये जाते हैं. इस विधि से पौधे लगाने से उद्यानिकी क्रियाओं में सरलता होती है. तीन पंक्ति विधि से पौधा लगाना उचित नहीं होता है.

पौधे लगाने से पहले खेत की अच्छी तरह जुताई करके भुरभुरा बना लेना चाहिए. खेत तैयार करते समय गोबर की खाद या कम्पोस्ट भी मिला देना चाहिए। खेत में आवश्यक अंतर पर कतारें बना लें और इन कतारों में अनानास के पौध लगाएं. पौधे 10 सेमी. गहरे लगाने चाहिए. पौधे, जिन्हें सकर कहते हैं, लगाते समय यह ध्यान रखें कि उनका हृदय का भाग भूमि में न दबने पाए. पौधे जुलाई से सिंतबर तक वर्षाऋतु में तथा फरवरी-मार्च में बसंत ऋतु में लगाए जा सकते हैं.

पौध उपचार

पौधों को लगाने से पहले सकर या अन्य सामग्री का उपचार आवश्यक है, जिससे उनमें हृदय सड़न का रोग न लगने पाए.पौधे को एक सप्ताह तक छाया में सुखा कर उसकी सूखी हुई पत्तियां अलग कर दें. इसके बाद बोर्डो मिश्रण (1:1:10) के घोल में निचला भाग डुबाकर खेत में लगाएं.

सिंचाई

ग्रीष्म ऋतु में 7 से 10 दिन के अंतर में और शीत ऋतु में 15 से 20 दिन के अंतर से भूमि की किस्म के अनुसार सिंचाई की जानी चाहिए. जड़ें गहरी न होने के कारण नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है.

निदाई, गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाना

अनानास की जड़ें भूमि की ऊपरी पर्त से पोषण लेती हैं. अतः अनन्नास के उद्यान में घास या खरपतवार का रहना अत्यंत ही हानिकारक होता है. पौधों की वृद्धि नहीं हो पाती. निंदाई के साथ पौधों में मिट्टी चढ़ाना आवश्यक होता है जिससे कि पौधे फलभार ग्रहण कर सकें. वर्ष में दो से तीन बार मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है. मिट्टी चढ़ाते समय यह ध्यान रखें कि मिट्टी में हृदय का भाग न दबने पाए. प्रत्येक सिंचाई के पश्चात हल्की गुड़ाई आवश्यक है.

तुड़ाई व उपज

फल पर स्थित आंखें जब पीली पड़ने लगती हैं, तब फल तोड़ने योग्य हो जाता है परंतु यदि फल दूर भेजना हो तो आँखें पीली पड़ने के पहले पूरी परिपक्व अवस्था में ही फल तोड़ लेना ठीक रहता है. इसके अतिरिक्त आंखों के पास की कोणीय बनावट कुछ कम हो जाती है और आंख के पास सहपत्र का जो भाग आंख के पास निकलता है, वह सूख जाता है। अनानास के फल में स्टार्च नहीं होता, इसलिये इसे तोड़ने के बाद मिठास में कोई विशेष वृद्धि नहीं होती है. फूल आने के लगभग 3.5 से 4 माह में फल पकने लगता है. औसत उपज 40 से 60 टन प्रति हेक्टर होती है.

किस्म

क्यू जायण्ट, क्यू, क्वीन, मॉरीसस, रेड स्पैनिश, सिंगापुर, स्पैनिश

देशी किस्म-

जलधूप एवं लखाद ये किस्में असम क्षेत्र में उगाई जाती है. उगाई जाने वाले क्षेत्र के आधार पर इनका नामकरण किया गया है. दोनों किस्में क्वीन समूह में आते है, परंतु इसके फल आकार में छोटे होते हैं. लखाद स्वाद में हल्के खट्टे होते हैं, जबकि जलधूप मीठा होता है. जलधूप का फल एल्कोहलिक फ्लेवर (सुगंध) लिए हुए होता है। जो कि इस फ्लेवर के कारण क्वीन समूह में आसानी से पहचाना जा सकता है.

प्रवर्धनः-

सकरः पौधे के मूल-तंत्र से निकली हुई पत्तियों वाली शाखाओं को, जो भूमि से निकलती है, सकर कहलाता है. अनानास का प्रवर्धन सकर द्वारा ही अधिकांशतः किया जाता है. सकर का वजन 500 से 750 ग्राम उपयुक्त माना जाता है.

क्राउनः फल के ऊपर लगी हुई पत्तियों के झुंड को क्राउन कहते है. क्राउन को सीधे तैयार खेत में रोपित कर सकते हैं.

स्लिपः तने तथा फल के निचले भाग से एवं भूमि से निकली हुई पत्तीदार शाखाओं को स्लिप कहते हैं. 300 से 400 ग्राम वाली स्लिप का प्रयोग रोपण के लिये प्रयोग करना चाहिए. जिससे पौधे समान आकार के होते है.

स्टम्प : फल के डंठल तथा तना को स्टम्प कहते हैं. इस प्रकार की प्रवर्धन विधि पेड़ी की फसल के लिये करते है.

जायद में मूंगफली की खेती

जलवायु

मूंगफली की बुवाई का समय मृदा व वातावरण के तापमान पर निर्भर करता है बुवाई के समय मृदा के ऊपरी 10 से.मी. का तापमान लगभग 18-20 से.मी. होने पर जायद में मूंगफली की बोनी की जा सकती है। जायद मौसम में मूंगफली की बोनी का उपयुक्त समय फरवरी के द्वितीय से अंतिम सप्ताह के बीच कर देनी चाहिए.

खेत की तैयारी व मृदा उपचार

उचित जल निकास वाली बलुई व हल्की भूमि जिसका पी.एच.मान 6.5 से 7.5 के बीच हो। खेत में पलेवा लगाकर ओट आने पर 2-3 जुताई कल्टीवेटर से कर बुवाई करनी चाहिए। बुवाई से पूर्व 100 कि.ग्रा. गोबर खाद में दो कि.ग्रा. ट्राइकोडर्मा विरिडी मिलाकर प्रति हेक्टेयर के मान से खेत में मिलायें। सफेद लट व दीमक से बचाव हेतु फोरेट 10 प्रतिशत या एंडोसल्फान 4 प्रतिशत चूर्ण 20 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर के मान से बुवाई पूर्व खेत में मिलायें।

बीज दर, बुवाई का तरीका

बीज के आकार के अनुसार 100-120 (गुली) कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर उपयुक्त होता है। बुवाई से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम की 2 ग्रा. मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. के मान से उपचारित करें. बुवाई 5-6 से.मी. की गहराई पर, लाइन से लाइन की दूरी 25-30 से.मी. तथा पौधे से पौधे 8-10 से.मी. रखें.

पोषक तत्व प्रबंधन

सामान्यतः 43 कि.ग्रा. यूरिया, 250 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा 40 कि.ग्रा. पोटाश व 20 कि.ग्रा. सल्फर का उपयोग किये जाने की सिफारिश की जाती है। फॉस्फोरस की आपूर्ति सिंगल सुपर फॉस्फेट से करने पर सल्फर, कैल्शियम, जिंक की भी पूर्ति हो जाती है।

सिंचाई

जायद में की जाने वाली मूंगफली में पलेवा के अतिरिक्त 6-7 सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। फसल की क्रांतिक अवस्थाओं जैसे फूल निकलते समय, सूईयों एवं फली का विकास होते समय सिंचाई अवश्य करें।

खरपतवार नियंत्रण

जायद में बार-बार सिंचाई करने से खरपतवारों का प्रकोप अधिक होता है अतः बुवाई करने के 20-25 दिन व 35-40 दिन तक खरपतवारों को निंदाई कर नष्ट करें।

कीट नियंत्रण

दीमक व सफेद ग्रव का प्रकोप होने की दशा में क्लोरोपायरीफॉस 2.5 ली. प्रति हे. 25 कि.ग्रा. रेत में मिलाकर खड़ी फसल में भुरकाव कर सिंचाई करें. पत्तियों पर टिक्का रोग (मटियाले रंग के भूरे धब्बे) के लक्षण दिखाई देने पर मेंकोजेब 1.5 से 2.0 कि.ग्रा. का घोल प्रति हे.छिड़काव करें.

खुदाई व उपजः- गुच्छेदार किस्में 100-105 दिन में तथा फैलने वाली किस्में 120-130 दिन में पककर तैयार हो जाती है। जब फली के बीज सख्त हो जाये व छिलका बादामी हो जाये तथा पत्तियाँ पीली पड़कर सड़ने लगे तब खुदाई करें। इस प्रकार उन्नत सस्य प्रबंधन व पौध संरक्षण से 25 क्विंटल तक उपज प्राति हे. प्राप्त होती है।

सब्जियों में फसल चक्र अपनाएं

बेल वाली सब्जियों को मुख्यतः 'क्युकर बिटेसी' यानी खीरा जाति की सब्जियों में रखा जाता है। इस वर्ग की सब्जियों में बीज कड़े होते हैं और उनके अंकुरण में काफी समय लगता है। इसीलिए बेल वाली सब्जियों की अगेती फसल लेने के लिये सब्जी उत्पादक प्लास्टिक की थैलियों में खाद युक्त मिट्टी भरकर उसमें बीज बोते हैं और जब पौधा 20 से 25 दिन का हो जाता है तो उसे खेत में लगा देते हैं।

खीरा और लौकी

अनुकूल तापक्रम 18.5 डिग्री सेल्सियस से 24 डिग्री सेल्सियस है। न्यूनतम 15.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 29.5 डिग्री सेल्सियस तापक्रम पर इसकी फसल अच्छी पाई गई है। पकने की अवस्था पर न्यून तापक्रम का अच्छा प्रभाव पड़ता है और अधिक नम मौसम में पत्तियों के रोग की संभावना अधिक होती है। अधिक तापक्रम और लंबे दिन में नर फूल ज्यादा आते हैं और मादा फूलों की संख्या कम होने के कारण उपज कम मिलती है। यदि भूमि का तापक्रम 10 डिग्री सेल्सियस हो तो बीज का अंकुरण नहीं होता।

लौकी के लिये नम और गर्म जलवायु उत्तम रहती है। मध्यम जलवायु में इस फसल को वर्ष भर उगाया जा सकता है। भारी वर्षा और बदली वाला मौसम व्याधि और कीड़ों के प्रकोप को बढ़ा देते हैं। लम्बे मौसम की फसल होने के कारण फरवरी में बोई गई फसल बरसात के मौसम तक चलती रहती है। अधिक गर्मी से इस फसल पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

करेला, घिया व आरा तोरी

इन फसलों के लिये जलवायु लौकी के समान रहती हैं। ये फसलें शीतकालीन मौसम कुछ अधिक बरदाश्त कर लेती हैं किंतु अधिक गर्मी में फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

काशीफल 80 से 120 दिन की फसल है। फूल 60 से 80 दिन में आते हैं और फल पकने में 60 दिन लग जाते हैं। कद्दू या पीला कोहडा के लिये 18.5 डिग्री से 24 डिग्री सेल्सियस तापक्रम उपयुक्त है। और इस तापक्रम में फल अच्छे लगते हैं। इन सब्जियों के लिये न्यूनतम तापक्रम 15.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 29.5 डिग्री सेल्सियस सर्वोत्तम माना गया है।

टिन्डा

इसके लिये अनुकूल तापक्रम 24 डिग्री सेल्सियस से 26.5 डिग्री सेल्सियस है। फसल न्यूनतम 18.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापक्रम 35 डिग्री सेल्सियस पर होती है। मौसम में नमी अगर अधिक हो तो पत्तियों में रोग की संभावना रहती है और फल उच्चकोटि के नहीं मिल पाते। बीज अंकुरण के लिये 21 डिग्री सेल्सियस से 29.5 डिग्री सेल्सियस का अनुकूल तापक्रम माना गया है। टिंडे को गर्म मौसम की आवश्यकता होती है।

ककड़ी

इसके लिये गर्म मौसम की जरूरत पड़ती है। तापक्रम 21 डिग्री सेल्सियस से 26.5 डिग्री सेल्सियस पर्याप्त है, पर 32 डिग्री सेल्सियस तापक्रम में भी फसल उगाई जा सकती है। अन्य बेल वाली सब्जियों में परबल के लिये अधिक गर्म व नमी तथा वर्षा वाले क्षेत्र सर्वोत्तम होते हैं। इसीलिए परबल की बेलों को पान के बरेजों में सफलतापूर्वक बढ़ने का मौका मिलता है। चिचिड़ा भी गर्म मौसम की बेल वाली सब्जी है। इसे कम तापमान पर पहाड़ों पर भी उगाया जा सकता है। बिहार और बंगाल के इलाकों में जहां पाले से क्षति होने की संभावना कम होती है। चिचिड़ा को अक्टूबर से नवम्बर तक भी लगाया जा सकता है।

उपयुक्त फसल चक्र

उत्तरी भारत में मौसम की अनुकूलता के अनुसार ग्रीष्मकाल में एक वर्षीय फसल चक्रों में बेलवाली सब्जियों को सफलता पूर्वक शामिल किया जा सकता है। ये निम्न प्रकार है-

(क) मूली (जुलाई-अगस्त) - मटर (अक्टूबर-मार्च) करेला (मार्च-जून).

(ख) अदरक (जून-अक्टूबर)- पालक/ मैथी/ धनिया/ सौआ/ सौंफ (अक्टूबर से जनवरी) खीरा जाति की सब्जियाँ (फरवरी-जून.

(ग) बैंगन (अगस्त-मार्च),- टिन्डा (मार्च-अगस्त)

(च) लोबिया (जुलाई-नवम्बर)- करेला (जनवरी-जून)

(छ) खीरा (जुलाई-सितम्बर) फूलगोभी (अक्टूबर-जनवरी)-कद्दू या काशी फल (फरवरी-जुलाई).

(झ) भिंडी (जुलाई-अक्टूबर)-फरासबीन (अक्टूबर-फरवरी)-टिन्डा (मार्च-जून)

(य) देसी गाजर (अगस्त-दिसम्बर)-लौकी (जनवरी-जुलाई)

(र) शलजम (सितम्बर-जनवरी) - पालक (फरवरी-अप्रैल)- खीरा (अप्रैल-जुलाई)

(ल) टिन्डा (जून-अगस्त)- गांठ गोभी (अक्टूबर-फरवरी) पालक (फरवरी-अप्रैल)-तोरई (अप्रैल-जून)

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, सोमवार 21 अप्रैल, 2025

केएल राहुल आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज 200 छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने

अहमदाबाद, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल आईपीएल में सबसे तेज 200 छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने शनिवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 128वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीसरे ओवर में मोहम्मद सिराज पर आक्रमण किया और पिछली गेंद पर चौका लगाने के बाद, अपने लिए जगह बनाई और गेंद को लॉन्ग-ऑन के ऊपर पहुंचा दिया। ऐसा करके, उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 159 पारियां लीं। सूची में अन्य भारतीयों में एमएस धोनी (165 पारी), विराट कोहली (180 पारी), रोहित शर्मा (185 पारी) और सुरेश रैना (193 पारी) शामिल हैं। राहुल इस मुकाम तक पहुंचने वाले तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज हैं, उनसे आगे वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और आंद्रे रसेल हैं, जिन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए क्रमश: 69 और 97 पारियां ली थीं। राहुल ने 200 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और उन्होंने 28 रन की तेज पारी खेली, जिससे उन्होंने पावरप्ले में दिल्ली कैपिटल्स की पारी को गति दी, लेकिन पांचवें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा की यॉर्कर पर अपना विकेट गंवा बैठे। राहुल इस सीजन में दिल्ली के लिए फॉर्म में हैं और निश्चित रूप से इस मौके पर खरे उतरे हैं। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट 158.33 है, जो लीग में उनके 12 सीजन के कार्यकाल का सबसे अधिक है। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने छह पारियों में 266 रन बनाए हैं और टीम के लिए अहम भूमिका निभाई है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ रहा, जब उन्होंने नाबाद 93 रन की पारी खेली और एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में उनकी टीम को छह विकेट से जीत दिलाई। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 25 रन की जीत में भी उनकी अहम भूमिका रही थी, जिसमें उन्होंने 77 रन बनाए थे। उन्हें ट्रिस्टियन स्टब्स के साथ राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में सुपर ओवर में टीम की जीत के लिए भी चुना गया था, जिसमें उनकी शानदार बल्लेबाजी और दिल्ली का उन पर भरोसा झलकता है।

न्यू वंडर बॉय:

संजय मांजरेकर ने की 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के 14 वर्ष के ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने जमकर तारीफ की और उन्हें नया वंडर बॉय करार दिया। वैभव ने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ डेब्यू किया था और टीम के लिए अच्छी पारी भी खेली। हालांकि उन्होंने जिस तरह से शुरुआत की थी उसके बाद वो बड़ी पारी नहीं खेल पाए, लेकिन उनके इंटेंट ने सबको काफी प्रभावित किया।

वैभव ने यशस्वी के साथ की 85 रन की साझेदारी

संजय मांजरेकर ने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल में डेब्यू का मौका देने के लिए राजस्थान रॉयल्स की तारीफ की और उन्हें भारतीय क्रिकेट का नया वंडरबॉय भी कहा। सूर्यवंशी ने इस मैच में मिले मौके का पूरा फायदा उठाया उनकी फियरलेस पारी ने सबको चौंका दिया। उन्होंने आरआर के लिए पारी की शुरुआत यशस्वी जायसवाल के साथ की और पहले विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी की।

स्पिनर्स के खिलाफ दिखाई परिपक्वता

मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर बात करते हुए कहा कि जिस तरह की पारी वैभव ने खेली उससे उनके माता-पिता को कितना गर्व हो रहा होगा। मांजरेकर ने कहा कि 30 या 40 साल की उम्र में माता-पिता यह सब देख रहे होंगे और ये अविश्वसनीय था। उन्होंने जो पहले दो छक्के लगाए वो अच्छी गेंदों पर आए और फिर उन्होंने स्पिनर्स के खिलाफ परिपक्वता दिखाई। जब वो आउट हुए तो ऐसा लगा कि वो रो सकते हैं, लेकिन उनकी जितनी उम्र है उसमें ऐसा होना पूरी तरह से स्वाभाविक था।

क्रिकेट का नया वंडरबॉय

मांजरेकर ने आगे कहा कि उन पर भरोसा करने, उन्हें शीर्ष क्रम में बेस्ट मंच देने और यहां तक की एक और बाएं हाथ के खिलाड़ी के साथ खेलने का पूरा श्रेय राजस्थान को जाता है। उन्होंने सचमुच एक वंडरबॉय को मौका दिया है। आपको बता दें कि जब से राजस्थान ने आईपीएल नीलामी में सबसे कम उम्र के वैभव को अपनी टीम में शामिल किया था उसके बाद सबको उनके डेब्यू का इंतजार था। उन्होंने आईपीएल डेब्यू की पहली ही गेंद पर शार्दुल ठाकुर की गेंद पर छक्का लगाया और 34 रन बनाकर एडेन मार्करम की गेंद पर ऋषभ पंत के हाथों स्टंप आउट हुए। राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल की मेगा नीलामी में 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन आरआर के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने इस बात पर जोर दिया था कि टीम आईपीएल के दबाव भरे माहौल में इस युवा खिलाड़ी को जल्दी नहीं लाएगी। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रिटायर्ड हर्ट होने के बाद संजू सैमसन के बाहर होने के बाद सूर्यवंशी ने संयम के साथ अपने मौके का फायदा उठाया। हालांकि इस मैच में राजस्थान की टीम को 2 रन से हार मिली।

यॉर्कर फेंकना जारी रखूंगा, यह मेरी सर्वश्रेष्ठ गेंद है:आवेश खान

जयपुर, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स की इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स पर दो रन की रोमांचक जीत में डेथ ओवरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज आवेश खान ने कहा कि वह यॉर्कर पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे, जो मुश्किल परिस्थितियों में उनका मुख्य हथियार है। आवेश ने 18वें और 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए क्रमश- पांच और छह रन दिए, जिससे लखनऊ शनिवार रात को खेले गए मैच में आखिरी तीन ओवरों में 25 रन का बचाव करने में सफल रहा। आवेश ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं यॉर्कर फेंकना जारी रखने की कोशिश करूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि यॉर्कर मेरी सबसे अच्छी गेंद है। मैं हमेशा किसी भी स्थिति में यॉर्कर फेंकने की कोशिश करता हूं। आईपीएल में खुद पर भरोसा रखना महत्वपूर्ण होता है। आवेश ने कहा कि वह किसी तरह से दबाव में नहीं थे क्योंकि जब वह 18वें ओवर में गेंदबाजी करने आए तो रॉयल्स जीत की ओर बढ़ रहा था और उसके 8 विकेट बचे हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा अपनी रणनीति पर अमल करने की कोशिश करता हूं। जब भी मैं गेंदबाजी के लिए आता हूं तो किसी तरह के दबाव में नहीं रहता हूं। मैं जो भी गेंद करता हूं उस पर पूरा भरोसा रखता हूं।

केकेआर से जुड़े अभिषेक नायर

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के सहायक कोच से हटाए गए अभिषेक नायर फिर से कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ जुड़ गए हैं। इसकी जानकारी फ्रेंचाइजी की तरफ से शनिवार को एक्स पर दी गई। हालांकि, इस पोस्ट में यह नहीं बताया गया कि उनकी किस पद पर वापसी हुई है। दरअसल शुक्रवार को बीसीसीआई ने अभिषेक नायर को टीम इंडिया के सहायक कोच पद से हटा दिया था। अभिषेक नायर के अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई की भी टीम इंडिया से छुट्टी कर दी गई थी। बीसीसीआई ने यह कार्रवाई ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में भारत की शर्मनाक हार के बाद की। 2018-2024 तक केकेआर का हिस्सा रहे नायर अभिषेक नायर 2018 से 2024 तक बीसीसीआई में कोलकाता नाइट राइडर्स के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे।

पिछले साल जुलाई में उन्हें भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ में शामिल किया गया था। अभिषेक ने KKR में गंभीर के साथ काम किया था द्रविड़ का कार्यकाल टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद समाप्त हो गया था। इसके बाद बीसीसीआई ने गंभीर को मुख्य कोच बनाया था।

गंभीर ने अपने सहयोगी के तौर पर कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़े अपने साथियों को टीम से जोड़ा था। गंभीर भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने से पहले केकेआर के मेंटर रहे थे और तब उसी टीम में अभिषेक नायर, रेयान टेन डेशकाटे सहयोगी स्टाफ रहे थे।

एचसीओ को मिला आदेश

इस स्टेडियम से मिटा दिया जाएगा पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन का नामो-निशान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के बीच राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम, हैदराबाद से पूर्व भारतीय क्रिकेट मोहम्मद अजहरुद्दीन के नाम पर बने स्टैंड को हटाने का आदेश जारी किया गया है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के नैतिक अधिकारी और लोकपाक जस्टिस वी ईश्वरैया ने एक आदेश जारी कर स्टेड बॉडी से कहा है कि राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, उप्पल के उत्तरी पवेलियन स्टैंड से पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन का नाम हटाया जाए।

हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम से हटेगा अजहरुद्दीन स्टैंड

लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब द्वारा अजहरुद्दीन का नाम हटाने के लिए एक याचिका दायर की गई थी, क्योंकि जब वह एचसीए के अध्यक्ष थे, तब स्टैंड का नाम उनके नाम पर रखा गया था।

क्रिकबज के अनुसार न्यायमूर्ति वी ईश्वरैया ने अपने 25-पृष्ठ के फैसले में कहा कि यहां पर हितों के टकराव का मामला साफ तौर पर बनता है। इस आदेश के बाद अजहरुद्दीन का नाम मैच के टिकटों पर भी नहीं होगा। इस फैसले के बाद लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब ने खुशी जाहिर की और कहा कि यह एक ईमानदार फैसला है।

अजहर ने कहा- फैसले को देंगे चुनौती

वहीं इस मामले पर 62 साल के पूर्व क्रिकेटर अजहरुद्दीन का कहना है कि वो इस बात के दुखी हैं कि खिलाड़ी और कप्तान के रूप में लगभग दो दशक की सेवा के बावजूद उनके साथ ऐसा व्यवहार किया गया।

वो इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती देंगे। अजहर ने द हिंदू से बात करते हे कहा कि इसमें हितों का कोई टकराव नहीं है और मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। मैं इस स्तर तक नहीं गिरना चाहता क्योंकि इससे क्रिकेट जगत इस एसोसिएशन पर हंसेगा। 17 साल क्रिकेट, लगभग 10 साल टीम के कप्तान के रूप में मैंने काम किया और हैदराबाद में क्रिकेटरों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है।

बिना शादी के मां बनने वाली हैं 49 साल की अमीषा पटेल?

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल फिल्मों के अलावा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज शेयर कर अपने तमाम चाहने वाले फैंस का ध्यान आकर्षित करती हैं. अमीषा पटेल बोल्डनेस दिखाने में बिल्कुल भी परहेज नहीं करती हैं और जमकर अदाएं दिखाती हैं. अब उनकी एक लेटेस्ट फोटो चर्चा में आ गई है. दरअसल, अमीषा पटेल की नई तस्वीर देखकर लोग उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर कयासबाजी कर रही हैं. एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटो वायरल होते ही लोग खूब कमेंट कर रहे हैं. आइए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है.

अमीषा पटेल ने शेयर की तस्वीर

अमीषा पटेल ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो ग्रीन कलर का स्विमसूट पहने हुए नजर आ रही हैं. इसके साथ ही उन्होंने चश्मा और हैट लगा रखा है. अमीषा पटेल का दिलकश अंदाज उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है. वह अक्सर इस तरह से रिवीलिंग ड्रेस में फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं. अब लेटेस्ट फोटो में अमीषा पटेल के उभरे हुए पेट पर सोशल मीडिया के तमाम यूजर्स की नजर चली गई और इसके बाद से उनकी प्रेग्नेंसी की अटकलें लगना शुरू हो गईं. एक यूजर ने लिखा है, आप प्रेग्नेंट हो? एक यूजर ने लिखा है, प्रेग्नेंट लग रहे हो, या मेरी गलतफहमी है. एक यूजर ने लिखा है, बिना शादी के प्रेग्नेंट हो गईं. एक यूजर ने लिखा है, ये प्रेग्नेंट लग रही हैं.

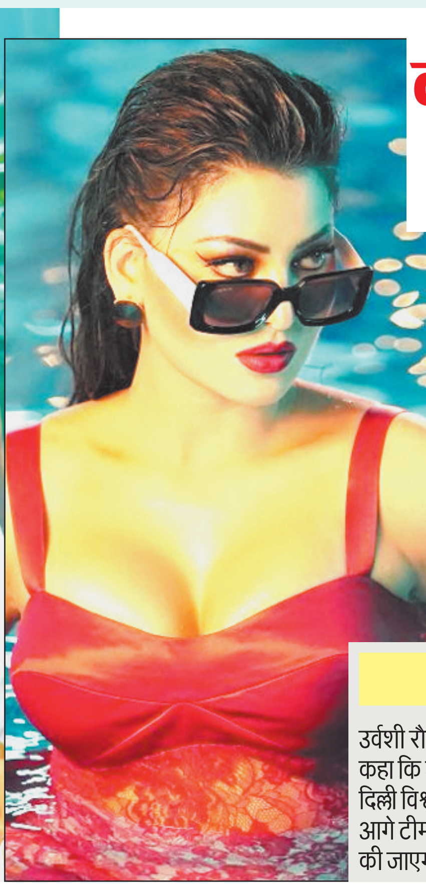

फुले के निर्माता अनंत महादेवन ने ब्राह्मणों से अनुरोध किया कि वे कोई राय बनाने से पहले फिल्म जरूर देखें। बातचीत में अनंत महादेवन ने अपनी फिल्म, इसकी विषय-वस्तु और सेंसर बोर्ड के सुझाए बदलावों के बारे में खुलकर बात की। निर्देशक अनंत महादेवन की फिल्म फुले समाज सुधारक ज्योतिराव गोविंदराव फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित है। रिलीज से पहले, फिल्म को ब्राह्मणों के कुछ वर्गों से विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

कोई धारणा बनाने से पहले फुले देखें ब्राह्मण: निर्देशक अनंत महादेवन

फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद दावा किया गया कि फिल्म में ब्राह्मणों की गलत छवि पेश की गई है। फुले के निर्माता अनंत महादेवन ने विरोध को देखते हुए कहा कि आहत समुदाय पहले फिल्म देखे और फिर अपनी राय दें। उन्होंने कहा कि उन्होंने सेंसर बोर्ड द्वारा सुझाए गए सभी नियमों का पालन किया है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा सुझाए गए बदलावों पर अपने विचार साझा करते हुए महादेवन ने बताया, वह शायद जरूरत से ज्यादा सतर्क थे और उनके पास कुछ सिफारिशें थीं, कुछ बदलाव थे जो वह चाहते थे कि हम करें। उन्होंने कहा कि इन बदलावों के बावजूद भी फिल्म का प्रभाव कम नहीं हुआ है।

हमने इसका पालन किया क्योंकि हम कानून के अनुसार चलना चाहते हैं, लेकिन एकमात्र बात यह है कि हम थोड़े अधिक संवेदनशील हो गए हैं, भले ही उन शब्दों को बरकरार रखा गया हो, भले ही उन बिंदुओं को बरकरार रखा गया हो, मुझे नहीं लगता कि किसी को इस पर आपत्ति होगी, लेकिन कहीं न कहीं हमें इसमें सुधार करना पड़ा, लेकिन मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि इससे फिल्म का प्रभाव कम नहीं होगा। सीबीएफसी की तरफ से निर्माताओं को इस फिल्म से मांग, महार और पेशवाई जैसे शब्द हटाने को कहा गया। इसके अलावा, झाड़ू लिए हुए आदमी के दृश्य को सावित्रीबाई पर गोबर के उपले फेंकते लड़के से बदलने को कहा गया और 3000 साल पुरानी गुलामी को बदलकर कई साल पुरानी कर दिया गया। 25 अप्रैल को सभी को फुले देखने के लिए आमंत्रित करते हुए, निर्माता ने कहा कि उन्हें सेंसर बोर्ड से क्लीन यू सर्टिफिकेट मिला है।

बद्रीनाथ के पास मेरा मंदिर...बयान देकर ट्रोल हुई उर्वशी रौतेला

हाल ही में उर्वशी रौतेला अपने एक अटपटे बयान को लेकर चर्चा में आईं। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में कहा कि उनके नाम का एक मंदिर उत्तराखंड में है। इस बयान पर स्थानीय लोग और सोशल मीडिया यूजर्स नाराज हुए। अब उर्वशी की टीम का इस मामले पर बयान आया है। जानिए, इसमें क्या कहा गया है। उर्वशी रौतेला अकसर ही अपने अजीब बयानों के कारण खबरों में बनी रहती हैं।

हाल ही में एक बयान एक्ट्रेस ने दिया, जिसमें कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में उन्हें दमदमी माई नाम से पूजा जाता है। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि उर्वशी नाम का एक मंदिर उत्तराखंड में भी है। एक्ट्रेस के इस बयान से उत्तराखंड में स्थिति उर्वशी मंदिर के पुजारी और स्थानीय लोग नाराज हुए।

सोशल मीडिया पर भी लोगों ने उर्वशी को ट्रोल किया। अब इस मामले में उर्वशी की टीम का स्टेटमेंट सामने आया है।

प्राचीन मंदिर किसको है समर्पित

जिस मंदिर को लेकर यह पूरा मामला चर्चा में आया। दरअसल, वह देवी उर्वशी के नाम है। एक मान्यता यह भी है कि ये मंदिर माता सती को समर्पित है। उर्वशी रौतेला के बयान से उत्तराखंड के लोग, मंदिर के पुजारी आहत हैं, लोग उर्वशी पर सख्त एक्शन की मांग कर रहे हैं।

उर्वशी की टीम ने स्टेटमेंट में क्या कहा

उर्वशी रौतेला की टीम का कहना है, 'एक्ट्रेस ने कहा था कि उर्वशी नाम का मंदिर उत्तराखंड में है, उन्होंने ये नहीं कहा कि उर्वशी रौतेला नाम का मंदिर वहां है। लोग आजकल बातों को भी ठीक से नहीं सुनते हैं। हां, उर्वशी को दिल्ली विश्वविद्यालय में जरूर दमदमी माई के नाम से पूजा जाता है, इस पर अखबार में आर्टिकल भी छपा है।' आगे टीम ने स्टेटमेंट में कहा कि उर्वशी के बयान पर जो भ्राम्रक जानकारी फैलाएगा, उस पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

Mardaani 3:

रानी मुखर्जी की वापसी के साथ फिर बढ़ेगी दिलों की धड़कन, विलेन पर सस्पेंस बरकरार!

Mardaani 3 में एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय की लाठी चलेगी, जो इस बार पहले से भी ज्यादा तीखी, तेज और ताकतवर नजर आने वाली हैं, लेकिन इस बार उसका बड़ा दुश्मन कौन होगा. इस पर सस्पेंस बना हुआ है. रानी मुखर्जी एक बार फिर पुलिस की वर्दी पहनने को तैयार हैं और क्राइम की दुनिया में घुसे बड़े विलेन को धूल चटाने आ रही हैं. मर्दानी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त यानी Mardaani 3 की शूटिंग शुरू हो चुकी है, और फैंस में एक्साइटमेंट का लेवल हाई है.

7 साल बाद रिटर्न में तैयार मर्दानी

2014 में आई पहली मर्दानी और 2019 में आई दूसरी फिल्म ने दिखाया कि एक महिला पुलिस ऑफिसर भी अकेले पूरी क्राइम दुनिया को हिला सकती है. अब रानी मुखर्जी एक बार फिर इंस्पेक्टर शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में वापसी कर रही हैं, जो इस बार पहले से भी ज्यादा तीखी, तेज और ताकतवर नजर आने वाली हैं.

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली से उत्तराखंड आकर नाबालिग लड़की का अपहरण, यासीन के साथ 2 दोस्तों ने की शर्मनाक हरकत

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के विकासनगर में बदमाशों ने एक शर्मनाक घटना को अंजाम दिया है। कार सवार युवकों ने नाबालिग का अपहरण कर लिया। शनिवार को नाबालिग की पिता की तहरीर पर पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आरोप है कि यासीन अपने दोस्तों के साथ उसके घर के बाहर आया और नाबालिग लड़की का अपहरण कर फरार हो गया।आरोप है कि पहले भी कार सवार युवक नाबालिग का अपहरण करने का प्रयास कर चुके हैं। कोतवाल विनोद गुसाईं ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के एक व्यक्ति ने तहरीर दी है। बताया कि शुक्रवार रात को करीब दस बजे धौलाकुआं दिल्ली निवासी यासीन पुत्र गुलाम हुसैन और उसके साथ ही रमजान, सफरू व बंशी कार लेकर उसके घर के बाहर आए। इसके बाद वह उसकी नाबालिग लड़की का अपहरण कर साथ ले गए। बताया कि इससे पहले भी यासीन उसकी पुत्री के अपहरण का प्रयास कर चुका है। कोतवाल ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया है। बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी और नाबालिग की सकुशल बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस की ओर से नाबालिग लड़की की खोजबीन के लिए टीम का गठन कर आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

दिल्ली में जाम छलकाने की उम्र में मिलेगी छूट ? नई शराब नीति पर काम कर रही सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की नई शराब नीति को लेकर काम कर रही भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने साफ किया है कि वह शराब पीने की उम्र में कोई बदलाव नहीं करने जा रही है। वर्तमान में दिल्ली में शराब खरीदने या पीने की न्यूनतम उम्र 25 साल है। पिछली सरकार ने इसमें बदलाव की बात की थी, लेकिन विरोध के बाद सरकार ने इस पर कोई फैसला नहीं किया है। हालांकि कई राज्यों में शराब पीने की उम्र 21 साल है। सूत्रों की मानें तो दिल्ली की मौजूदा सरकार नई शराब नीति पर काम कर रही है। बीते दिनों इसे लेकर आबकारी विभाग की एक बैठक भी हुई है। सरकार के सामने नई नीति को लेकर कुछ मसौदा रखा गया है। शराब नीति को बनाते समय आबकारी विभाग छह राज्यों में मौजूदा शराब नीति का भी अध्ययन कर रही है। इनमें यूपी, महाराष्ट्र, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक शामिल हैं। बताते चलें कि दिल्ली में बीते तीन साल से नई शराब नीति को लेकर काम चल रहा है। मगर पिछली आप सरकार में बनी शराब नीति को लेकर उठे सवाल और तथाकथित घोटाले सामने आने के बाद से ही उस पर कोई अंतिम फैसला नहीं हो पाया। वर्तमान में दिल्ली की शराब नीति में सिर्फ सरकार की चार एजेंसियां ही दुकानें चला रही हैं। सरकार इसमें बदलाव चाहती है। गौरतलब है कि दिल्ली में पूर्व की अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के दौरान भी शराब नीति में बदलाव किए गए थे। इसके तहत निजी संचालकों को ओपन टेंडर के माध्यम से शराब बेचने के लिए लाइसेंस जारी किए गए थे। नई नीति में शराब पीने की कानूनी उम्र सीमा 25 साल से घटकर 21 साल कर दी गई थी। दुकानें बाजार मूल्य के हिसाब से शराब की कीमतें तय कर रही थीं। दिल्ली सरकार का कहना था कि नई नीति से सरकार की कमाई बढ़ेगी। नई नीति को लेकर भाजपा लगातार केजरीवाल सरकार पर हमलावर थी। भाजपा ने इसे लेकर कई तरह के आरोप लगाए थे। इसके बाद 'आप' सरकार ने नई शराब नीति को वापस लेने का फैसला किया था। सरकार ने इसके पीछे आरोप लगाया था कि ईडी और सीबीआई की धमकियां मिल रही थीं।

सुप्रीम कोर्ट को धार्मिक युद्ध की धमकी दे रही भाजपा, निशिकांत दुबे के बयान पर ओवैसी हमलावर

नईदिल्ली, एजेंसी।
भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान को लेकर पूरे देश की राजनीति गर्म हो गई है। पूरा विपक्ष इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर हो गया है। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी इस मुद्दे को लेकर भाजपा पर प्रहार किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को निशाने पर लेकर कहा कि भगवा पार्टी के समर्थक लोग इतने ज्यादा कट्टरपंथी हो गए हैं कि वे अब खुले आम न्यायपालिका को धार्मिक युद्ध की धमकी दे रहे हैं। भाजपा के नेताओं पर तंज कसते हुए ओवैसी ने कहा, आप लोग(भाजपा) ट्यूबलाइट हैं..... इस तरह से अदालत को धमका रहे हैं। क्या आपको पता भी है कि अनुच्छेद 142 क्या है? इसे बीआर अंबेडकर ने तैयार किया था। भाजपा धोखाधड़ी कर ही है और धार्मिक युद्ध की धमकी दे रही है।, आपको बता दें कि अनुच्छेद 142 के प्रावधान के तहत सुप्रीम कोर्ट अपने समक्ष आए किसी भी मामले में पूर्ण न्याय देने का अधिकार होता है। ओवैसी ने सीधा पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा, मोदी जी अगर आप इन लोगों को नहीं रोकेंगे तो देश कमजोर हो जाएगा। देश आपको माफ नहीं करेगा और कल आप सत्ता में नहीं रहेंगे। निशिकांत दुबे के बयान पर लगभग सभी विपक्षी पार्टियों ने अपनी आपत्ति जताई है। कांग्रेस नेता बीवी श्रीनिवास ने दुबे पर निशाना साधते हुए कहा, निशिकांत दुबे जैसे उपद्रवी सांसदों में अपने आकाओं के आदेश के बिना सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ मुंह खोलने की हिम्मत नहीं है। नड्डा, आप कब तक राम बोलकर छुरा घोंपेंगे?

क्या कहा था भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने: भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश पर गृह युद्ध को भड़काने का आरोप लगाया था। सुप्रीम कोर्ट के अधिकार पर सवाल उठाते हुए दुबे न कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए।

उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट का एक ही उद्देश्य है कि तुम मुझे चेहरा दिखाओ.. मैं तुम्हें कानून दिखाऊंगा। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से आगे जा रहा है। अगर हर चीज सुप्रीम कोर्ट में ही तय होनी है तो संसद और राज्य विधानसभा को बंद कर देना चाहिए। सांसद निशिकांत के इस बयान से भारतीय जनता पार्टी ने खुद को किनारे कर लिया है। अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कहा कि पार्टी का इस बयान से कुछ भी लेना-देना नहीं है। उन सांसदों को आगे से ऐसा बयान न देने के लिए निर्देशित किया गया है।

सीलमपुर के कुणाल मर्डर केस में 7 संदिग्ध दबोचे, 2 दिन की पुलिस रिमांड में भेजी लेडी डॉन जिकरा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सीलमपुर हत्याकांड की जांच कर रही दिल्ली पुलिस ने 17 वर्षीय कुणाल मर्डर केस के सिलसिले में कुल 7 लोगों को हिरासत में लिया है। मुख्य आरोपी जिकरा, साहिल और दिलशाद को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही कई नाबालिग संदिग्ध भी पुलिस की गिरफ्त में हैं। दिल्ली पुलिस ने बताया कि पकड़े गए सात संदिग्ध आरोपियों की उम्र की पुष्टि की जा रही है। आगे की जांच जारी है। कुणाल की हत्या के बाद इलाके में तनाव का माहौल है।

अदालत ने कुणाल मर्डर केस में आरोपी महिला जिकरा को शनिवार को 2 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। न्यूज एजेंसी भाषा के अनुसार पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इलाके में 'लेडी डॉन' के नाम से पहचानी जाने वाली महिला जिकरा को मामले में और पूछताछ करने के लिए पुलिस हिरासत में भेजा गया है। जिकरा जेल में बंद गैंगस्टर हाशिम बाबा की पत्नी के लिए बाउंसर का काम करती थी।

पुलिस ने बताया कि न्यू सीलमपुर में गुरुवार शाम साढ़े 7 बजे कुणाल की उसके घर से कुछ ही मीटर की दूरी पर हत्या कर दी गई थी। कुणाल पर उस समय हमला किया गया था जब वह अपने बीमार पिता के लिए चाय बनाने के लिए दूध खरीदने के लिए जा रहा था। अधिकारी के अनुसार, पुलिस ने अदालत से कहा कि इस मामले के शेष आरोपियों का पता लगाने और हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद करने के लिए उन्हें जिकरा की हिरासत की आवश्यकता है। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान जिकरा ने बताया कि पिछले साल नवंबर में उसके चचेरे भाई साहिल पर दो व्यक्तियों लाला और शंभू ने हमला किया था और यह दोनों कुणाल के दोस्त थे। अधिकारी ने बताया कि कुणाल घटनास्थल पर मौजूद था, लेकिन नाबालिग होने के कारण उसका नाम एफआईआर में शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने बताया कि जिकरा और साहिल ने माना कि कुणाल भी इस हमले में शामिल था, इसलिए उन्होंने कथित तौर पर कुणाल से बदला लेने का फैसला किया। दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद ने शनिवार को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के डीसीपी आशीष कुमार मिश्रा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को बुलाकर स्थिति का जायजा लिया।

दिल्ली में अब नहीं होगी पानी की चोरी,आ गए जीपीएस वाले वाटर टैंकर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली चुनाव के दौरान टैंकर माफिया और टैंकरों से पानी पहुंचाने को लेकर धांधली का मुद्दा खूब उछला था। वर्तमान बीजेपी सरकार ने तब की आप सरकार पर इसे लेकर खूब हमले किए थे। इसी कड़ी में आज से रेखा सरकार दिल्ली में 1100 नए पानी के टैंकरों को हरी झंडी दिखाएंगी। इन पानी के टैंकरों में जीपीएस लगा होगा, जिससे इनके हर एक मूवमेंट पर नजर रखी जा सकेगी। दिल्ली सरकार का कहना है कि इससे पानी की चोरी और धांधली रोकने में आसनी होगी। दिल्ली सरकार से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि इन टैंकरों को पूरे शहर में तैनात किया जाएगा, खासकर उन क्षेत्रों में जहां पानी की भारी कमी है या जहां पाइपलाइन से आपूर्ति संभव नहीं है। तो आइए जानते हैं,ये नए पानी के टैंकर पूरी दिल्ली में कैसे घर-घर पानी पहुंचाएंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि प्रत्येक टैंकर आधुनिक जीपीएस तकनीक से लैस है,जो वास्तविक समय में उनकी निगरानी करने में सक्षम है। टैंकरों की आवाजाही पर नज़र रखने के लिए एक अत्याधुनिक कमांड सेंटर स्थापित किया गया है,जिससे यह सुनिश्चित होगा कि पानी समय पर और पारदर्शी तरीके से इच्छित स्थानों पर पहुंचे। जल मंत्री परवेश वर्मा ने शुक्रवार को कहा,हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबके लिए पानीके सपने को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रहे हैं। दिल्ली को पानी के संकट से मुक्त करने के लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे। जीपीएसस-युक्त टैंकरों की तैनाती पारदर्शिता,समयबद्धता और जवाबदेही का प्रतीक है।

उन्होंने कहा,हमारी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करना है कि राजधानी में कोई भी नागरिक पानी से वंचित न रहे। सरकार हर संभव कदम उठा रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पानी हर कॉलोनी, बस्ती और पड़ोस तक पहुंचे।

राजस्थान समेत कई राज्य में तेजी से बढ़ रहा तापमान

नईदिल्ली, एजेंसी। अप्रैल का महीने बीतते-बीतते भारत के अधिकतर हिस्सों में हीटवेव का प्रकोप नजर आने लगा है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक आने वाले दिनों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ समेत देश के बड़े हिस्से में हीटवेव बनी रहेगी। वहीं राजधानी दिल्ली में हल्के बादल छाए रहेंगे। तेज हवाएं भी चल सकती हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना है।

शनिवार को महाराष्ट्र के नागपुर में सबसे ज्यादा तापमान 44.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले शुक्रवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। 24 घंटे में ही तापमान में इतनी बढ़ोतरी दर्ज की गई जो कि सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। मौसम विभाग की भविष्यवाणी की मानें तो आने वाले दिनों में दिल्ली में बादल छाए रहेंगे और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। शनिवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यह सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक था। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि राजधानी दिल्ली में हल्की बूंदाबांदी होने के आसार हैं जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। हवाओं की स्पीड 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा रह सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बारिश के आसार हैं। तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ कई जिलों में तेज बारिश हो सकती है। उत्तराखंडी की बात करें तो कई जगहों पर हल्की बर्फबारी भी हो सकती है। वहीं हिमाचल प्रदेश और ओडिशा के कई हिसों में ओले गिरने की संभावना है। 21 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। उत्तर प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर गर्मी में बढ़ोतरी देखी जा रही है। रात का तापमान भी धीरे-धीरे बढ़ने लगा है।

अमेरिका में हजारों लोगों ने राष्ट्रपति आवास घेरा, सभी 50 राज्यों में प्रदर्शन

पोस्टर में लिखा- ट्रम्प को अल सल्वाडोर जेल भेजें

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ शनिवार को हजारों प्रदर्शनकारी एक बार फिर सड़कों पर उतर आए। ये प्रदर्शन सभी 50 राज्यों में हुए। प्रदर्शनकारी ट्रम्प की टैरिफ वॉर की नीतियों, सरकारी नौकरियों में छंटनी का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस का घेराव किया। लोगों ने ट्रम्प पर नागरिक और कानून के शासन को कुचलने का आरोप लगाया। इस आंदोलन को 50501 नाम दिया गया है, जिसका मतलब 50 विरोध प्रदर्शन, 50 राज्य, 1 आंदोलन है।

प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस के अलावा टेस्ला के शोरूमों का भी घेराव किया। ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शनों का यह दूसरा दौर है। इससे पहले 5 अप्रैल को ट्रम्प के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हुए थे। राजधानी वॉशिंगटन डीसी समेत सभी राज्यों में प्रदर्शन की बड़ी वजह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कारोबारी इलॉन मस्क की आक्रामक नीतियां हैं। इलॉन मस्क का दक्षता विभाग लगातार सरकारी विभागों में छंटनी कर रहा है। अब तक हजारों सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रम्प की अप्रवासियों पर कार्रवाई और दूसरे देशों पर टैरिफ लगाने की सख्त पॉलिसी भी इन प्रदर्शनों की एक बड़ी वजह है। ट्रम्प के टैरिफ वॉर से अमेरिका में दूसरे देशों से आने वाली चीजों के दाम बढ़े हैं। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है। अमेरिकी सर्वे एजेंसी गैलप के मुताबिक 45प्रतिशत अमेरिकी वोटर्स ट्रम्प के पहले 3 महीने के कामकाज से खुश हैं, जबकि ट्रम्प के पहले कार्यकाल के शुरुआती 3 महीनों में 41प्रतिशत वोटर्स ही उनके कामकाज से संतुष्ट थे। हालांकि यह बाकी राष्ट्रपति की तुलना में बेहद कम है। 1952 से 2020 के बीच सभी राष्ट्रपति की पहली तिमाही की औसत रेटिंग 60प्रतिशत है। इसकी तुलना में ट्रम्प की रेटिंग कम दिख रही है। एजेंसी के मुताबिक ट्रम्प के पदभार संभालने के वक्त उनकी रेटिंग 47प्रतिशत थी। इसमें भी गिरावट दर्ज हुई है।

अमेरिका में पढ़ रहे भारतीय और चीनी छात्रों ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ कराया मुकदमा

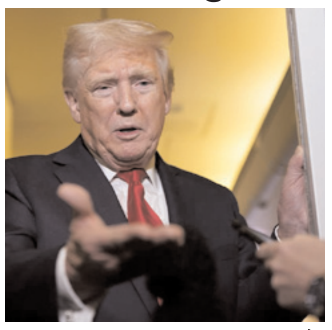

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका में पढ़ रहे तीन भारतीय और दो चीनी छात्रों ने अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग और अन्य इमिग्रेशन अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। छात्रों का आरोप है कि अधिकारियों ने एकतरफा और गैरकानूनी तरीके से उनका स्न-1 स्टूडेंट वीज़ा स्टेटस रद्द कर दिया, जिससे सैकड़ों नहीं तो हजारों अंतरराष्ट्रीय छात्र प्रभावित हुए हैं। यह मुकदमा अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन की ओर से न्यू हैम्पशायर की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर किया गया है।

याचिका में कहा गया है कि एफ-1 स्टेटस समाप्त होने के कारण छात्र न केवल अवैध प्रवासी की स्थिति में आ गए हैं, बल्कि उन्हें डिटेंशन, डिपोर्टेशन और गंभीर आर्थिक व शैक्षणिक संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। छात्रों का कहना है कि अब वे अपनी डिग्री पूरी नहीं कर सकते और ना ही ग्रेजुएशन के बाद मिलने वाले ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा ले सकते हैं। ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा कराने वाले छात्रों में भारतीय छात्र लिंकिथ बाबू गोरेला हैं। इनका मास्टर्स प्रोग्राम 20 मई को पूरा होना था। लेकिन स्न-1 स्टेटस रद्द होने के कारण न वे डिग्री प्राप्त कर सकते हैं, न किसी ट्रेनिंग प्रोग्राम का हिस्सा बन सकते हैं। इसी तरह थनुज कुमार और मणिकंता पासुला का केवल एक सेमेस्टर बाकी है, लेकिन कोर्ट के हस्तक्षेप के बिना डिग्री मिलना असंभव लग रहा है। दूसरी ओर चीनी छात्र हैंगरुई झांग की आय का एकमात्र स्रोत रिसर्च असिस्टेंटशिप था, जो अब स्टेटस खत्म होने के चलते रोक दिया गया है। हाओयांग एन को 3.29 लाख डॉलर (लगभग 2.75 करोड़ रुपए) की पढ़ाई छोड़नी पड़ सकती है। छात्रों के वकीलों का कहना है कि अमेरिकी सरकार ने वीजा स्टेटस खत्म करने से पहले जरूरी नोटिस या सूचना नहीं दी।

अमेरिका ने यमन में किए 13 हवाई हमले, राजधानी सना और हूती कब्जे वाले तटीय शहर होदेदा को निशाना बनाया

काहिरा, एजेंसी।
यमन में अमेरिकी सेना ने 13 हवाई हमले किए हैं। सेना ने यमन की राजधानी सना और हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले तटीय शहर होदेदा को निशाना बनाया। हूतियों के मीडिया कार्यालय ने शनिवार को अमेरिकी हमलों की रिपोर्ट दी। हालांकि, अमेरिकी हमलों में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है।

हूती विद्रोहियों ने कहा कि अमेरिकी सेना ने लाल सागर पर होदेदा में एक हवाई अड्डे और एक बंदरगाह को निशाना बनाया है। इससे पहले, अमेरिकी हमले में लाल सागर के बंदरगाह को नुकसान पहुंचा था और 70 से अधिक लोग मारे गए थे। ये हमले नवीनतम हमलों से करीब दो दिन से भी कम समय पहले किए गए थे। मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य अभियानों की देखरेख करने वाली अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने कहा कि वह यमन में हूतियों के खिलाफ हमले जारी रखे हुए है।

रास ईसा बंदरगाह पर हमले में 74 लोगों की हुई मौत

हूती द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अमेरिकी सेना ने बृहस्पतिवार को होदेदा प्रांत के रास ईसा बंदरगाह पर हमला किया। इस हमले में 74 लोग मारे गए और 171 अन्य घायल हो गए। यह हमला ईरान समर्थित विद्रोहियों पर अमेरिका द्वारा जारी बमबारी अभियान में सबसे घातक था। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रास ईसा बंदरगाह पर किए गए हमले पर चिंता व्यक्त की। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक के हवाले से गुटेरेस ने शनिवार को कहा कि वे रास ईसा पर हमले के साथ-साथ इस्राइल और शिपिंग मार्गों पर हूती मिसाइल और ड्रोन हमलों को लेकर गंभीर रूप से चिंचित हैं। दुजारिक ने कहा, महासचिव ने याद दिलाया कि अंतरराष्ट्रीय कानून का हर समय सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी से नागरिकों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे का सम्मान करने और उनकी रक्षा करने की अपील की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि इस हमले का उद्देश्य यमन के लोगों को नुकसान पहुंचाना नहीं था। सेंट्रल कमांड ने संभावित नागरिक हताहतों के बारे में किसी भी सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया।

इजराइल के पास गाजा में युद्ध जारी रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है: नेतन्याहू

येरूशलम, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को फिर घोषणा की कि इजराइल के पास गाजा में युद्ध जारी रखने के अलावा ''कोई विकल्प नहीं'' है और वह हमास को पूरी तरह खत्म करने, बंधकों को मुक्त करने तथा यह सुनिश्चित करने से पहले युद्ध समाप्त नहीं करेगा कि यह क्षेत्र इजराइल के लिए खतरा नहीं बने। प्रधानमंत्री ने फिर से कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार न मिले। नेतन्याहू ने दावा किया कि हमास ने युद्ध विराम जारी रखने के लिए आधे बंधकों को रिहा करने के इजराइल के नवीनतम प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। प्रधानमंत्री ने गाजा में किए गए हमलों के बाद यह बात कही। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल की ओर से गाजा में किए गए हमलों में 48 घंटे के दौरान 90 से अधिक लोग मारे गए हैं।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पता:-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।